E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 192 | प्रयागराज, शुक्रवार 20 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प अमेरिकी उपराष्ट्रपति से नाराज,रूबियो को नए राष्ट्रपति के लिए समर्थन दिया,वेंस ने ईरान जंग को चुनाव में हार की वजह बताया था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से नाराज हैं। वेंस ने हाल ही में हुए मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार के लिए ईरान जंग को जिम्मेदार बताया था। शुरुआत में ट्रम्प ने भी वेंस की बात को सही माना था लेकिन अब उनकी नाराजगी जाहिर तौर पर दिखने लगी है। ट्रम्प विदेश मंत्री मार्को रुबियो की तारीफ कर रहे हैं। वे अपने करीबियों से बातचीत में रुबियो को 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अच्छा उम्मीदवार बता रहे हैं। रुबियो लगातार ईरान पर हमले को सही ठहरा रहे हैं। उनका कहना है कि अमेरिका की सुरक्षा के लिए यह कार्रवाई जरूरी थी।न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प अपने करीबियों से कह रहे हैं कि वेंस को यह भी कहना चाहिए था कि ईरान पर हमला करने का उनका फैसला सही था। ट्रम्प चाहते थे कि वेंस यह साफ करें कि भले ही ईरान जंग की वजह से पार्टी को चुनाव में नुकसान हुआ लेकिन अमेरिका की सुरक्षा के लिए यह हमला जरूरी था। मिडटर्म इलेक्शन में



रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ था। इसके अगले दिन जेडी वेंस ने सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट लिखा। इसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी की हार की सबसे बड़ी वजह ईरान जंग है। उन्होंने यह भी कहा था कि ट्रम्प खुद इस बात को मान चुके हैं। हालांकि, ट्रम्प ने हार के लिए कई वजहें बताई थीं। इनमें एक वजह यह भी थी कि वे खुद चुनाव में उम्मीदवार नहीं थे। वेंस के इस बयान से लगा कि वे ईरान युद्ध के फैसले से खुद को अलग दिखाना चाहते हैं लेकिन ट्रम्प की सीधे तौर पर आलोचना भी नहीं करना चाहते। ट्रम्प को यही बात पसंद नहीं आई। चुनाव के बाद ट्रम्प ने वेंस को ईरान के साथ शांतिवार्ता से भी अलग कर दिया। चुनाव से पहले वेंस इस बातचीत को आगे बढ़ाने में जुटे थे। ट्रम्प ने कहा था कि अब वेंस डेमोक्रेट्स राज्यों में चुनावी गड़बड़ी के आरोपों की जांच पर ध्यान दें।ल इस फैसले को भी दोनों नेताओं के बीच बढ़ती नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। वेंस ने इस तनाव की बात से इनकार किया है। इस हफ्ते फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि उनके और ट्रम्प के बीच कोई मतभेद नहीं है। जेडी वेंस पहले ट्रम्प के आलोचक हुआ करते थे। 2016 में उन्होंने ट्रम्प को देश के राष्ट्रपति पद के लिए अयोग्य बताया था। बाद में वे ट्रम्प के समर्थक बन गए। 2022 में जब वे ओहायो से सीनेट का चुनाव लड़ रहे थे, तब उन्होंने ट्रम्प से समर्थन मांगा। ट्रम्प ने उनका साथ दिया और वेंस चुनाव जीत गए। इसके बाद 2024 में ट्रम्प ने उन्हें अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया। इसके बाद से रिपब्लिकन पार्टी के कई नेता मान रहे थे कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में वेंस ही पार्टी के उम्मीदवार होंगे।लेकिन अब ट्रम्प के बदले रुख से वेंस की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनने के लिए ट्रम्प का समर्थन उनके लिए काफी अहम माना जा रहा है। वेंस ने अभी तक चुनाव लड़ने का फैसला नहीं किया है। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की मीटिंग,ईरान जंग समेत 5 मुद्दों पर चर्चा होगी,80 साल में पहली बार 3 सुपरपावर्स एक साथ

शेन्ज़ेन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज पहली बार एक साथ बैठक करेंगे। यह त्रिपक्षीय बैठक चीन के शेनझेन में चल रहे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (ए.पी.ई.सी) समिट के दौरान होगी। बैठक में ईरान युद्ध, यूक्रेन युद्ध समेत 5 जरूरी मुद्दों पर चर्चा होगी। इससे पहले गुरुवार को तीनों नेता ए.पी.ई.सी समिट में भी एक साथ नजर आए। इस बैठक की तुलना 1945 के याल्टा सम्मेलन से की जा रही है। करीब 80 साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन क्रीमिया के याल्टा में मिले थे। तब द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप की व्यवस्था और जर्मनी के भविष्य पर फैसले हुए थे। अब



पहली बार इस समय की तीन सुपरपावर्स अमेरिका, चीन और रूस के मौजूदा नेता एक साथ बैठक करेंगे। ट्रम्प और पुतिन के बीच करीब 42 मिनट तक बातचीत हुई। मुलाकात खत्म होने के बाद ट्रम्प शेनझेन के सरकारी रिसॉर्ट काइलिन विला के लिए रवाना हो गए। यहां उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अलग से बैठक होनी है। इसके बाद तीनों नेता एक साथ बैठक करेंगे। डोनाल्ड ट्रम्प और व्लादिमीर पुतिन ने ए.पी.ई.सी समिट के दौरान अलग से मुलाकात की है।

तीनों वर्ल्ड लीडर्स की बैठक के 5 बड़े मुद्दे:-1. ईरान युद्ध, 2. परमाणु हथियारों की संख्या कम करना, 3. रूस-यूक्रेन युद्ध, 4. अमेरिका-चीन के बीच व्यापार और टैरिफ, 5. रूस का डिप्लोमैटिक बायकॉट खत्म करना।

अमेरिकी अधिकारियों ने इसे 'पुल-असाइड' बताया है। यानी दोनों नेताओं के बीच यह औपचारिक बैठक के बजाय अनौपचारिक बातचीत है। ए.पी.ई.सी समिट की आधिकारिक 'फैमिली फोटो' में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक साथ नजर आए। इस तस्वीर की खास बात यह रही कि पुतिन 9 साल बाद ए.पी.ई.सी की फैमिली फोटो में खुद शामिल हुए। इससे पहले वे 2017 में वियतनाम में हुई समिट में शामिल हुए थे। कोरोना महामारी के दौरान 2020 और 2021 में उन्होंने ऑनलाइन हिस्सा लिया था। इस दौरान सभी नेताओं ने चीन की ओर से दिए गए लाल और नीले रंग के रेशमी स्कार्फ पहने थे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस एशिया-प्रशांत क्षेत्र का अहम हिस्सा है। वह इस इलाके के देशों के साथ मिलकर काम करना चाहता है। चीन के शेनझेन में ए.पी.ई.सी समिट में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस इस क्षेत्र के विकास में भी योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि रूस दुनिया के दूसरे देशों के साथ अपने रिश्ते बनाए रखना चाहता है और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस एशिया-प्रशांत देशों को बड़ी मात्रा में अनाज और खाद देता है। वह इन देशों के साथ एआई और दूसरी नई टेक्नोलॉजी से जुड़ी जानकारी भी साझा करने के लिए तैयार है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

नासा का उपग्रह वॉयजर-1 एक प्रकाश दिन दूर पहुंचा,इंसानों की बनाई कोई चीज पहले इतनी दूर नहीं गई- 49 साल पहले लॉन्च हुआ था

वाशिंगटन डी.सी। नासा का मशहूर अंतरिक्ष यान वॉयजर-1 पृथ्वी से करीब 26 अरब किलोमीटर दूर पहुंच गया है। इसने एक लाइट-डे यानी प्रकाश की एक दिन में तय होने वाली दूरी पूरी कर ली है। इंसान की बनाई कोई दूसरी चीज अब तक इतनी दूर नहीं पहुंची है। एक लाइट-डे का मतलब है वह दूरी, जिसे प्रकाश 24 घंटे में तय करता है। प्रकाश की रफ्तार करीब 3 लाख किलोमीटर प्रति सेकंड है। इस हिसाब से एक लाइट-डे करीब 16 अरब मील (25.9 अरब किलोमीटर) के बराबर होता है। अब पृथ्वी से भेजे गए रेडियो सिग्नल को वॉयजर-1 तक पहुंचने में करीब 24 घंटे लगेंगे। वहां से जवाब आने में भी इतना ही समय लगेगा। यानी इससे बातचीत करने में करीब दो दिन लग सकते हैं। वॉयजर-1 ने 1998 में नासा के ही दूसरे अंतरिक्ष यान पायनियर-10 को पीछे छोड़कर सबसे दूर पहुंचने वाली इंसान की बनाई वस्तु का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। तब से यह लगातार अंतरिक्ष में आगे बढ़ रहा है। 4 साल के मिशन के लिए बना था, 49 साल से कर रहा कामः-वॉयजर-1 को सितंबर 1977 में अंतरिक्ष में भेजा गया था। तब से इसने कई बड़ी



उपलब्धियां हासिल की हैं।वॉयजर-1 का जुड़वां अंतरिक्ष यान वॉयजर-2 भी है, जिसे 16 दिन पहले लॉन्च किया गया था। हालांकि, पहले लॉन्च होने के बावजूद वॉयजर-2 पीछे रह गया। इसकी वजह दोनों के लिए चुने गए अलग-अलग रास्ते थे। वॉयजर-1 को छोटा और तेज रास्ता दिया गया था, ताकि वह बृहस्पति और शनि तक जल्दी पहुंच सके। वहीं, वॉयजर-2 का रास्ता इस तरह तय किया गया था कि वह बृहस्पति और शनि के बाद यूरेनस और नेपच्यून तक भी जा सके। शुरुआत में दोनों यानों को सिर्फ पांच साल तक काम करने के लिए बनाया गया था। इनका मुख्य काम बृहस्पति और शनि ग्रहों की खोज करना था। लेकिन दोनों यान उम्मीद से करीब 10 गुना ज्यादा समय तक काम कर चुके हैं। वॉयजर-1 के मुकाबले उसका जुड़वां यान वॉयजर-2 अभी पृथ्वी से करीब 4.22 अरब किलोमीटर कम दूरी तय कर पाया है। दोनों अलग-अलग दिशाओं में अंतरिक्ष की यात्रा कर रहे हैं। वॉयजर-1 और वॉयजर-2 अब इंटरस्टेलर स्पेस यानी तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष का अध्ययन कर रहे हैं। दोनों यान सूर्य के चुंबकीय क्षेत्र से बनी एक विशाल सुरक्षा परत हेलियोस्फीयर को पार कर चुके हैं। वॉयजर-1 ने 2012 में और वॉयजर-2 ने 2018 में इस सीमा को पार किया था। इन यानों को असल में ग्रहों की खोज के लिए बनाया गया था, लेकिन अब इनसे तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वैज्ञानिकों को अब यह समझना पड़ रहा है कि इन पुरानी मशीनों से ऐसा काम कैसे कराया जाए,आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

ईरान का कुवैत-बहरीन में यूएस सैन्य ठिकानों पर हमला,कहा- केश्म आईलैंड के मिसाइल लॉन्च साइट पर हमले का जवाब

तेहरान। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव एक बार फिर तेज हो गया है। ईरान ने बुधवार को कुवैत में



एक अमेरिकी हवाई अड्डे और बहरीन में कई ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान की सरकारी प्रेस टीवी ने बताया कि ये हमले अमेरिका की ओर से मंगलवार को ईरान के केश्म आईलैंड पर की गई सैन्य कार्रवाई के जवाब में हुए हैं।हालांकि, कुवैती सेना के जनरल स्टाफ ने कहा कि कुवैत में अली अल सलेम एयर बेस को ड्रोन से निशाना बनाया गया था। सभी हमले एयर डिफेंस सिस्टम ने रोक लिए थे। वहीं, बहरीन में बुधवार सुबह हवाई हमले के सायरन बजे। सेना ने कहा कि उसके एयर डिफेंस सिस्टम ने कई ईरानी हवाई हमलों को रोक दिया। बुधवार को हुए हमलों से एक दिन पहले अमेरिकी लड़ाकू विमान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में ईरान के केश्म आईलैंड पर सैन्य कार्रवाई की थी। इस हमले में रिवोल्यूशनरी गार्ड के मिसाइल लॉन्च साइट को निशाना बनाया गया था। वहीं, अमेरिका का कहना है कि यह कार्रवाई मंगलवार को बहरीन में अपने रडार प्रतिष्ठान पर हुए ईरानी हमले के जवाब में की थी। इस तरह दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे की सैन्य कार्रवाइयों के जवाब में हमले किए जा रहे हैं। हालांकि, बुधवार के ताजा हमलों पर अमेरिकी सेना की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

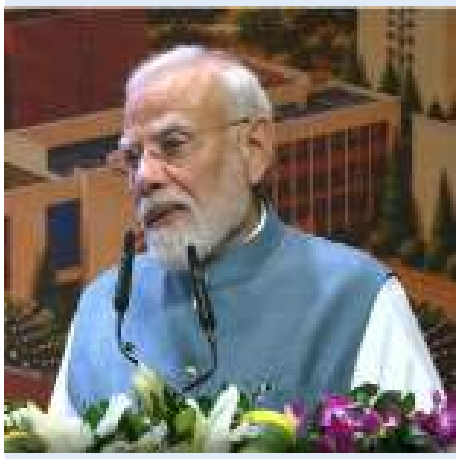
लाइबेरिया के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर 'एमटी नेविग-8 मेसी' पर बुधवार को फारस की खाड़ी में होर्मुज स्ट्रेट के पास पहुंचते समय एक प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया।

जहाज पर सवार तीन भारतीय नाविकों समेत पूरा चालक दल सुरक्षित है। इससे पहले जब 16 नवंबर को पनामा के झंडे वाले एलपीजी टैंकर 'एमटी तारा गैस' पर मिसाइल हमला हुआ था।

उस जहाज पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। वहीं, 12 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास बुधवार को कच्चे तेल से भरे एक टैंकर पर हमला हुआ था। जहाज पर 19 भारतीय नाविकों समेत कुल 22 लोग सवार थे। यूएई कोस्ट गार्ड ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

13 साल में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर,देश की ग्रोथ 7फीसदी रहने का अनुमान,अक्टूबर में रिकॉर्ड 50 अरब डॉलर का निर्यात-पीएम मोदी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा,'आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख



अर्थव्यवस्था है। इसके करीब 7फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है। अक्टूबर में भारत का वस्तुओं का निर्यात लगभग 50 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे बड़ा मासिक निर्यात है।' उन्होंने बताया कि विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट बताती है कि सिर्फ 12-13 साल में 50 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। 1970 के दशक में जब 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया गया था, तब भारत की आबादी करीब 50 करोड़ थी।

तूफान अकवान अनुमान से पहले पहुंच रहा,बीते दिन आंध्र-ओडिशा से टकराया,110किमी/घंटा रफ्तार- ओडिशा में 50 हजार लोग शिफ्ट

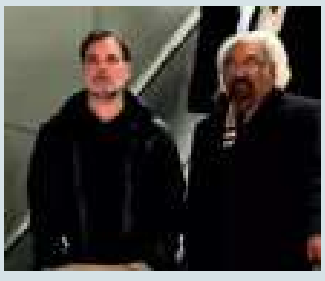
विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर। चक्रवाती तूफान अकवान गुरुवार दोपहर को आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराया। इस दौरान 90 से 110किमी/घंटा रफ्तार से हवाएं चली। इससे पहले



शुक्रवार यानि आज इसके आंध्र के तट से टकराने का अनुमान था। तूफान के असर से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा में अब तक 50 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। 6 जिलों में 19 से 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी बंद किए गए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान का असर 10 राज्यों में हो सकता है। इससे निपटने के लिए नेवी और अन्य एजेंसियां तैयारियों में जुटी हैं। वहीं, रेलवे ने गुरुवार को तीन ट्रेनों के रवाना होने का समय बदल दिया है। 10 राज्यों पर चक्रवात का असर, बचाव की तैयारीः-1. आंध्र प्रदेशः चक्रवात अकवान का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में होने की आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, आज तटीय इलाकों में भारी से बेहद भारी बारिश हो सकती है। 20 नवंबर को तूफान नेल्लोर और विशाखापट्टनम के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटा और झोंकों की रफ्तार 120 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। तटीय जिलों में अलर्ट है। एनडीआरएफ की 13 और एसडीआरएफ की 11 टीमें तैनात हैं। मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने और किसानों को फसल सुरक्षित करने की सलाह दी गई है। 2. ओडिशाः 18 से 21 नवंबर के बीच ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान है। गंजाम, गजपति, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों में इसका ज्यादा असर हो सकता है। निचले इलाकों में पानी भरने और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा है। सरकार ने 8 जिलों में 2.04 लाख से ज्यादा लोगों की पहचान की है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। प्रशासन ने राहत केंद्र तैयार किए हैं। हरभंगी और बदनाला बांधों से पानी छोड़ा जा रहा है। समुद्र में 14 मीटर से ऊंची लहरें उठने की आशंका है। 3. तमिलनाडुः उत्तरी तमिलनाडु में 18 और 19 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। चेन्नई समेत तटीय इलाकों में जलभराव की आशंका है। हवा की रफ्तार 60 से 70kmph तक पहुंच सकती है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।4. पुडुचेरीः पुडुचेरी और कराईकल में 18 से 20 नवंबर के बीच भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान है। समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिससे तटीय इलाकों में परेशानी हो सकती है। यहां भी मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन को बारिश और समुद्र की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

राहुल अमेरिका में बोले- 2024 का लोकसभा चुनाव अवैध था,लेकिन चुनाव का कभी बायकॉट नहीं करेंग

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव वैध नहीं था। इसमें कई फर्जी मतदाता थे। उन्होंने दावा किया कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार वोट डाला। राहुल से पूछा गया कि चुनाव में गड़बड़ी के बावजूद विपक्ष उनका बायकॉट क्यों नहीं करता? इस पर उन्होंने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। अगर हमने चुनावों का बायकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है।' राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद के दौरान कही। राहुल दो दिवसीय अमेरिका के दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। राहुल की बातचीत की 4 बड़ी बातें, कहा- लोग बिना डरे अपनी बात रखें:-1. चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहेः हम जानबूझकर चुनावी बहिष्कार का कदम नहीं उठा रहे हैं और हमें भरोसा है। चुनाव आयोग खुद अब अंदर से हमें जानकारी दे रहा है। इसलिए यह ढांचा कब ढहेगा, यह सिर्फ समय



की बात है। चुनाव आयोग में वरिष्ठ लोग अब कह रहे हैं कि हम यह और नहीं कर सकते।' 2. गैर-लोकतांत्रिक भारत स्वीकार नहीं: हम गैर-लोकतांत्रिक भारत स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की बात नहीं है। यह भारत के अधिकांश लोगों की भावना है। 3. लोग बिना डरे अपनी बात कह सकेंः विपक्ष यह सुनिश्चित करेगा कि लोगों की बिना डर अपनी बात कहने की सबसे बड़ी ताकत फिर से बहाल हो। यह ताकत आगे भी भारत की सबसे बड़ी शक्ति बनी रहेगी। हम यह लड़ाई लड़ रहे हैं और मुझे यह कहते हुए खुशी है कि हम यह लड़ाई जीत रहे हैं। 4. 2024 के चुनाव की वैधता पर सवालः 2024 के लोकसभा चुनाव भी वैध नहीं थे। 2024 के चुनाव में मतदाता अवैध थे। कई फर्जी मतदाता थे। ऐसे में चुनाव वैध कैसे हो सकते हैं। मैं फिर बताऊंगा कि एक ब्राजीलियाई महिला, जो कभी भारत नहीं आई, उसने भारत में एक विधानसभा चुनाव में 23 बार मतदान किया। जलवायु संकट से निपटने के लिए भारत के पास कितना समय है सवाल पर राहुल ने मजाकिया लहजे में कहा कि अगर आप दिल्ली में रहते हैं, तो आपके पास समय नहीं है। मैं अपने घर में एयर प्यूरीफायर (हवा साफ करने वाली मशीनें) लगवा रहा हूं, क्योंकि मुझे दिनभर सिरदर्द रहता है। दिल्ली जैसे शहरों में प्रदूषण की वजह से जितने लोग परेशानियां झेल रहे हैं, वह बेहद चिंताजनक है। छोटे-छोटे बच्चों को फेफड़ों की बीमारियां हो रही हैं। लोग कैंसर जैसी बीमारियों से मर रहे हैं। इजराइल से भारत के संबंधों से जुड़े सवाल पर कहा कि अक्टूबर में इजरायल में जो कुछ हुआ, मैं उसकी निंदा करता हूं। मुझे लगता है कि वह बेहद भयावह था। ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। लेकिन गाजा में जो कुछ हो रहा है, मैं उसकी भी निंदा करता हूं। किसी एक पक्ष की गलती को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दोनों ही गलतियों की निंदा होनी चाहिए।

हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में सरकार सख्त,अवामी लीग के नेताओं पर कार्रवाई की तैयारी

ढाका। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी से पहले सरकार अवामी लीग के



नेताओं और कार्यकर्ताओं पर शिकंजा कसने की तैयारी कर रही है।न्यूज़ पोर्टल भास्कर के मुताबिक गृह मंत्रालय की 16 नवंबर की गोपनीय रिपोर्ट में पार्टी के सक्रिय नेताओं के खिलाफ पहले ही कानूनी कार्रवाई करने, उससे जुड़े संगठनों पर नजर रखने और सुरक्षा बढ़ाने की बात कही गई है। रिपोर्ट में 20 नवंबर से देश के सभी जिलों में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) तैनात करने का प्लान भी है। इसमें कहा गया है कि शेख हसीना दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौट सकती हैं। उनकी वापसी से देश में राजनीतिक तनाव बढ़ने और हिंसा होने का खतरा बताया गया है। रिपोर्ट में आशंका जताई गई है कि शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद अवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता फिर सक्रिय हो सकते हैं। इससे विरोधी दलों के साथ टकराव और राजनीतिक तनाव बढ़ सकता है। इसे देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों को पहले से तैयार रहने को कहा गया है।गृह मंत्रालय ने अवामी लीग के सक्रिय नेताओं और कार्यकर्ताओं की पहचान कर उनके खिलाफ पहले ही कानूनी कार्रवाई करने की सिफारिश की है। खास तौर पर उन लोगों पर कार्रवाई की बात कही गई है, जिन पर तोड़फोड़ या हिंसा फैलाने का शक है। इसके अलावा, अवामी लीग से जुड़े एनजीओ और दूसरे संगठनों में काम करने वालों की जांच करने और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने को कहा गया है। नवंबर से बंद पार्टी और उससे जुड़े संगठनों के कार्यक्रमों को भी राजनीतिक गतिविधि मानकर जरूरी कदम उठाने की बात कही गई है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर...

प्रयागराज में भाजपा नेता की फॉर्च्यूनर चोरी का खुलासा, इंटीरियर डिजाइनर समेत दो गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बुधवार को प्रयागराज में भाजपा नेता एवं ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पीयूष जायसवाल की फॉर्च्यूनर कार चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर कार बरामद कर ली है। चोरी की यह वारदात 24 अक्टूबर को सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के सिविल लाइंस स्थित होटल रॉयल स्टे-इन के बाहर हुई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि चोरी की साजिश किसी शातिर वाहन चोर ने नहीं, बल्कि इंटीरियर डिजाइनर मोहम्मद इस्तियाक उर्फ मोहम्मद शाह ने अपने साथी मोहम्मद आजम के साथ मिलकर रची थी। पुलिस के मुताबिक, इस्तियाक पहले भाजपा नेता के ड्राइवर के संपर्क में आया था। इसके बाद कार की डुप्लीकेट चाबी बनवाकर चोरी की योजना तैयार की गई।



सीसीटीवी में कैद हुई पूरी वारदात:-चोरी की पूरी घटना होटल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। फुटेज में आरोपी कार चोरी करने के बाद जानबूझकर लंगड़ाते हुए चलता दिखाई दिया, ताकि पुलिस को गुमराह किया जा सके। पूछताछ में इस्तियाक ने बताया कि यह लंगड़ाने का नाटक उसने जांच को भटकाने के लिए किया था। प्रयागराज से रीवा होते हुए महाराष्ट्र पहुंची कार:-पुलिस के अनुसार, चोरी के बाद आरोपी कार को प्रयागराज से रीवा होते हुए महाराष्ट्र ले गए। रास्ते में कार की असली नंबर प्लेट हटाकर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी गई। इसके बाद दोनों आरोपी महाराष्ट्र में कार को बेचने की तैयारी कर रहे थे। सिविल लाइंस पुलिस और सर्विलांस सेल की टीम ने जांच के दौरान दोनों आरोपियों को ट्रेस किया। मुखबिर की सूचना पर नवी मुंबई कमिश्नरेट के तलोजा थाना क्षेत्र स्थित एमआईडीसी ग्राउंड से मोहम्मद इस्तियाक और मोहम्मद आजम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की फॉर्च्यूनर भी बरामद कर ली। आर्थिक तंगी के कारण रची चोरी की साजिश:-पुलिस पूछताछ में इस्तियाक ने बताया कि वह महाराष्ट्र में इंटीरियर डिजाइनिंग का काम करता था। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के दौरान काम बंद होने के बाद वह प्रयागराज के रसूलाबाद वापस आ गया था। बाद में शेयर ट्रेडिंग में काफी पैसा गंवाने और आर्थिक तंगी के चलते उसने अपनी फॉर्च्यूनर कार करीब पांच लाख रुपये में गिरवी रख दी थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात भाजपा नेता पीयूष जायसवाल के ड्राइवर मोहम्मद आजम से हुई। पुलिस के मुताबिक, इस्तियाक को पता था कि आजम का कार से सीधा जुड़ाव है।इसी का फायदा उठाकर उसने फॉर्च्यूनर चोरी करने की योजना बनाई।सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद इस्तियाक उर्फ मोहम्मद शाह (45), निवासी रसूलाबाद, शिवकुटी और मोहम्मद आजम (29), निवासी बेली गांव, थाना कैंट के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी अभी वांछित है। दोनों आरोपियों को न्यायालय की अनुमति से जेल भेज दिया गया है।



(आधुनिक सामचार नेटवर्क) प्रयागराज। 41वीं इंदिरा मैराथन में भारतीय सेना के प्रदीप सिंह चौधरी ने मारी बाजी, उत्तराखंड के प्रदीप सिंह चौधरी ने जीती 41वीं इंदिरा मैराथन, राज तिवारी दूसरे और निखिल सिंह रहे।

50 हजार का इनामी गैंग सरगना बाबा उर्फ प्रताप गोसाईं गिरफ्तार, एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने लखनऊ से दबोचा

बहराइच में सर्राफा कारोबारी से लूट के मामले में था वांछित, गैंग के तीन सदस्य पहले ही जा चुके हैं जेल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/लखनऊ। बहराइच में सर्राफा कारोबारी से लूट और छिनैती के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी गैंग सरगना बाबा उर्फ प्रताप गोसाईं को एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को 18 नवंबर को ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित कंबाइंड हॉस्पिटल परिसर के साइकिल स्टैंड से दोपहर 12:55 बजे गिरफ्तार किया गया। वह काफी समय से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लखनऊ में छिपकर रह रहा था। मुखबिर की सूचना पर एसटीएफ ने की घेराबंदी:-एसटीएफ को फरार और इनामी अपराधियों की तलाश के दौरान बाबा उर्फ प्रताप गोसाईं के लखनऊ में मौजूद होने की सूचना मिली थी। पुलिस उपाधीक्षक शैलेश प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण और निरीक्षक जय प्रकाश राय के नेतृत्व में एसटीएफ प्रयागराज की टीम उसकी गिरफ्तारी के लिए अभिसूचना संकलित कर रही थी। इसी दौरान टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी ठाकुरगंज स्थित कंबाइंड हॉस्पिटल परिसर में मौजूद है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। सर्राफा कारोबारियों को बनाता था निशाना:- पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गोंडा जिले के करनैलगंज थाना क्षेत्र के कुम्भौरा गांव का रहने वाला है। उसका एक संगठित गिरोह है, जिसका वह सरगना है। गिरोह के सदस्य मुख्य रूप से सर्राफा कारोबारियों की रेकी करते थे और मौका देखकर लूट व छिनैती की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपी ने स्वीकार किया कि अप्रैल 2026 में गिरोह ने बहराइच के कैसरगंज क्षेत्र में एक सर्राफा कारोबारी के साथ लूट और छिनैती की घटना की थी। इस मामले में कैसरगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 98/2026 के तहत बीएनएस की धारा 304(2), 309(4), 317(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 में मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरोह के तीन सदस्य पहले ही भेजे जा चुके हैं जेल:- एसटीएफ के मुताबिक, इस वारदात में शामिल आरोपी के साथी बृजेश शुक्ला, शुभम तिवारी और सूरज तिवारी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं, बाबा उर्फ प्रताप गोसाईं घटना के बाद से ही गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार था। वह लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित न्यू कुमारपुरम में छिपकर रह रहा था। हत्या के प्रयास से लेकर पुलिस पर फायरिंग तक के मुकदमे:-पूछताछ में सामने आया कि गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी लंबा है। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, अवैध असलहा रखने, मादक पदार्थों की तस्करी, लूट-छिनैती और पुलिस बल पर फायरिंग जैसी घटनाओं से संबंधित विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में वह पहले भी जेल जा चुका है।



बहराइच पुलिस को सौंपने की तैयारी:-एसटीएफ ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद बहराइच के कैसरगंज थाने में दर्ज मुकदमे में दाखिल करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई स्थानीय पुलिस द्वारा की जाएगी।

41वीं इंदिरा मैराथन के शुभारंभ पर 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी के बैंड की शानदार धुन प्रस्तुति

आनंद भवन से हुआ 41वीं इंदिरा मैराथन 2026 का शुभारंभ, पीएसी बैंड की देशभक्ति और उत्साह से भरी धुनों ने बांधा समां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज में 41वीं इंदिरा मैराथन 2026 का शुभारंभ आनंद भवन से उत्साह और उमंग के साथ हुआ। इस अवसर पर 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी, प्रयागराज के बैंड दल ने अपनी शानदार धुनों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया। पीएसी बैंड की मधुर एवं जोशीली धुनों ने मैराथन के माहौल को उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति के रंग में रंग दिया। बैंड की सुमधुर प्रस्तुति ने उपस्थित अतिथियों, खिलाड़ियों और दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। 42वीं वाहिनी पीएसी नैनी का बैंड दल अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति के माध्यम से आयोजन की गरिमा बढ़ाने के साथ ही प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करता नजर आया। मैराथन के शुभारंभ अवसर पर पीएसी बैंड की प्रस्तुति ने समारोह को यादगार बना दिया।





(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के शहर उत्तरी के विधयाक हर्ष वाजपेयी और उनके पिता अशोक वाजपेयी नें मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ से शिष्टाचार भेंट की, और कई मुद्दों पर चर्चा की, हालांकि विधान सभा चुनाव और इसी सीट से टिकट को लेकर इस मुलाक़ात के कई मायने निकले ज रहें हैं।

3.5 किलो की सिस्ट निकाल बुजुर्ग महिला को दिलाई दर्द से राहत,एमएलएन मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग ने सफलतापूर्वक किया जटिल ऑपरेशन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की टीम ने जटिल ऑपरेशन कर एक बुजुर्ग महिला के पेट से करीब 3.5 किलोग्राम वजन की विशाल ब्रॉड लिगामेंट सिस्ट सफलतापूर्वक निकाली। सिस्ट का आकार लगभग 22×22 सेंटीमीटर था। महिला लंबे समय से पेट में दर्द, भारीपन और बढ़ते आकार की परेशानी से जूझ रही थीं। आवश्यक जांच के बाद चिकित्सकों ने ऑपरेशन का निर्णय लिया। सिस्ट का आकार काफी बड़ा होने और आसपास के महत्वपूर्ण अंगों से जुड़े होने के कारण ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण था। चिकित्सकों ने सावधानीपूर्वक सिस्ट को निकालकर महिला को लंबे समय से चली आ रही तकलीफ से राहत दिलाई। ऑपरेशन के बाद उनकी स्थिति संतोषजनक बताई गई है। सर्जरी का नेतृत्व यूनिट इंचार्ज डॉ. अमिता यादव ने किया। ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ. आर. परिहार, डॉ. ऐमन अब्बासी एवं डॉ. अपर्णा तथा जूनियर रेजिडेंट डॉ. आंचल शामिल रहीं।



डॉ. अमिता यादव ने बताया कि ब्रॉड लिगामेंट सिस्ट महिलाओं में होने वाली अपेक्षाकृत दुर्लभ गांठ है। आकार अत्यधिक बढ़ जाने पर यह पेट दर्द, भारीपन तथा आसपास के अंगों पर दबाव जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकती हैं। समय पर जांच और उचित उपचार से गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। इस सफल ऑपरेशन ने जटिल स्त्री रोगों के उपचार में विभाग की विशेषज्ञता को एक बार फिर प्रमाणित किया है।

राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने प्रयागराज सर्किट हाउस में जनसुनवाई की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने प्रयागराज के सर्किट हाउस में जनसुनवाई की। इस दौरान करीब 50 महिलाओं ने अपनी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें ज्यादातर मामले घरेलू हिंसा और उत्पीड़न से जुड़े रहे। इसके अलावा लिव-इन रिलेशनशिप, संपत्ति विवाद और एआई तकनीक के जरिए उत्पीड़न के साथ ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले भी सामने आए। विजया रहाटकर ने कहा कि जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचीं बहनों और बेटियों को जरूर राहत मिलेगी। पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महिला आयोग का प्रयास है कि महिलाओं को न्याय मिले और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके।





यूपीएससी टॉपर शक्ति दुबे बनीं मुरादाबाद की एसडीएम-बिलारी को मिली पहली महिला न्यायिक अधिकारी

(आधुनिक सामचार नेटवर्क) प्रयागराज। 2025 बैच की आईएएस अधिकारी शक्ति दुबे को मुरादाबाद जिले की बिलारी तहसील का नया एसडीएम न्यायिक नियुक्त किया गया है। आपको बता दें शक्ति दुबे यूपीएससी 2024 की ऑल इंडिया टॉपर हैं, उन्होंने एयर-1 हासिल की थी। प्रयागराज की रहने वाली शक्ति दुबे ने अपनी शुरुआती पढ़ाई इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से बायोकेमिस्ट्री में बीएससी और बीएचयू से एमएससी की है। 5वें प्रयास में उन्होंने ये मुकाम हासिल किया है। ट्रेनिंग के बाद उत्तर प्रदेश कैडर में उन्हें मुरादाबाद जिला अलॉट हुआ था। अब जिला प्रशासन ने उन्हें बिलारी तहसील में बतौर एसडीएम न्यायिक की जिम्मेदारी दी है। बिलारी की जनता को अब एक युवा, पढ़ी-लिखी और तेज-तर्रार अधिकारी के रूप में न्याय मिलेगा। शक्ति दुबे ने कहा है कि वह महिला शिक्षा और जनकल्याण के लिए काम करना चाहती हैं। अगर आपको गर्व महसूस हुआ तो शेयर जरूर करें, कमेंट में बधाई लिखें और फॉलो करें।



जिलाधिकारी ने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत ब्लाक सैदाबाद में आई0डी0ए0 अभियान का औपचारिक किया शुभारम्भ

जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने स्वयं दवा खाकर लोगो को फाइलेरिया की दवा खाने के लिए प्रेरित किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद के ब्लाक सैदाबाद में आई0डी0ए0 अभियान का गुरूवार को विकास भवन के सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 ए0के0 तिवारी द्वारा कार्यक्रम का औपचारिक शुभारम्भ किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य वे अपने अधीनस्थ कर्मियों के माध्यम से उक्त अभियान में अपना शत-प्रतशत सहयोग प्रदान करें जिससे कि सैदाबाद ब्लाक को फाइलेरिया रोग से मुक्त किया जा सके। दवाई खाने के पश्चात होने वाले एडवर्स रिएक्शन को आर0आर0टी0 टीम द्वारा तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध करायी जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को यह निर्देशित किया कि प्रत्येक दिवस सांयकालीन समीक्षा बैठक में कार्यक्रम का अनुश्रवण करते हुए उपस्थित अधिकारियों ने स्वयं दवा खाकर लोगो को फाइलेरिया की दवा खाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जिला मलेरिया अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित करते हुए फाइलेरिया के सम्बंध में व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए दवाई का निर्धारित मानक के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को डोज लिए जाने के लिए प्रेरित करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि आवश्यक कार्यवाही करें। मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि वह सुनिश्चित करें कि ब्लाक सैदाबाद के समस्त ग्राम पंचायत मित्र, ग्राम प्रधान व अन्य गणमान्य व्यक्तियों से सहयोग करने एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायें जिससे अपने ग्रामों को फाइलेरिया रोग से मुक्त किया जा सके। जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा उक्त अभियान की तैयारियों पर संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह बताया गया कि दिनांक 19 नवम्बर 2026 से 07 दिसम्बर 2026 तक ब्लाक सैदाबाद के समस्त लक्षित आयु वर्ग के व्यक्तियों को (डी0ई0सी0, आइवरमेक्टिन, एल्बेंडाजोल) की एक खुराक आशा एवं आगंनवाड़ी के माध्यम से घर-घर जाकर खिलाई जायेगी, जिसमें संबंधित ग्राम पंचायत मित्र, कोटेदार, ग्राम प्रधान व अन्य गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग लिया जायेगा। कार्यक्रम में सम्मिलित सभी आशाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है कि 02 वर्ष से कम उम्र के बच्चे तथा अति गंम्भीर रूप से बीमारी व्यक्ति, गर्भवती महिलायें एवं खाली पेट की स्थिति में दवा का सेवन कदापि नही किया जाना है। जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने ब्लाक सैदाबाद के निवासियों से अपील किया कि घर-घर भ्रमण के दौरान आशा/आगंनवाड़ी के सामने ही औषधि का सेवन कर अपने एवं अपने परिवार को फाइलेरिया रोग से बचाते हुए उक्त अभियान को सफल बनायें। उक्त काग्रक्रम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 हेमंत कुमार सिंह, डा0 मेजर एस0के0 सिंह, डा0 विजयकांत पाण्डेय, डा0 अमृत लाल, अपर जिला विद्यालय निरीक्षक श्री नीरज केशरी, जिला पंचायत राज अधिकारी श्री रवि शंकर द्विवेदी, जिला आपूर्ति विभाग से श्री अरूण कुमार, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से श्री राकेश कुमार सिंह सी0डी0पी0ओ0 एवं समस्त वी0बी0डी0 स्टाफ उपस्थित थे।



फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत 07 दिसम्बर तक आशा एवं आगंनवाड़ी कार्यकत्रियों के माध्यम से घर-घर जाकर खिलाई जायेगी खुराक

जनपद सोनभद्र में 22 नवम्बर को आयोजित होगी सिविल डिफेन्स एयर रेड/ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज-2026

पुलिस लाइन चुर्क में होगा मॉक एक्सरसाइज का आयोजन, हवाई हमले की चेतावनी से लेकर घायलों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने तक की कार्रवाई का होगा अभ्यास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी, सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ ने अवगत कराया है कि पुलिस महानिदेशक, नागरिक सुरक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं नागरिक सुरक्षा, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपदों में नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों, होमगाड्र्स एवं एन0सी0सी0 कैडेट्स को सम्मिलित करते हुए आगामी 23 नवम्बर, 2026 से 27 नवम्बर, 2026 के मध्य द्वितीय मॉक एक्सरसाइज आयोजित कराए जाने की अपेक्षा की गई है। उन्होंने बताया कि शासन के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा निर्गत पत्र तथा अनु सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नागरिक सुरक्षा अनुभाग, लखनऊ के पत्र के क्रम में प्रमुख सचिव, नागरिक सुरक्षा, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई, जिसमें स्पष्ट दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उक्त निर्देशों के अनुपालन में जनपद के आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित होमगाड्र्स एवं इच्छुक उपलब्ध स्वयंसेवकों को दिनांक 22 नवम्बर, 2026 को आयोजित होने वाली Civil Defence Air Raid/Blackout Mock Exercise-2026 में प्रतिभाग कराया जाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त मॉक एक्सरसाइज के सफल आयोजन हेतु निम्नलिखित प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं। इसके अंतर्गत ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज आयोजित कराने हेतु स्थान का चयन, समस्त संबंधित विभागों के साथ बैठक कर मॉक ड्रिल की कार्ययोजना तैयार करना, मॉक ड्रिल में प्रतिभाग करने हेतु स्वयंसेवकों को चिह्नित करना तथा निर्धारित समय पर मॉक ड्रिल प्रारंभ करना शामिल है। मॉक ड्रिल के दौरान हवाई हमले की चेतावनी हेतु दो मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में सायरन ध्वनित किया जाएगा। सायरन बजते ही सभी संबंधित क्षेत्रों की विद्युत व्यवस्था बाधित कर ब्लैकआउट किया जाएगा तथा सभी नागरिकों द्वारा जमीन पर लेटकर सुरक्षित स्थान पर शरण लेने का अभ्यास किया जाएगा। हवाई हमला समाप्त होने पर दो मिनट तक ऊंची आवाज में ऑल क्लियर सायरन ध्वनित किया जाएगा। इसके उपरांत नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा फायर एक्सटिंग्विशर का प्रयोग कर आग बुझाने का अभ्यास किया जाएगा तथा बड़ी आग बुझाने हेतु फायर सर्विस द्वारा फायर टेंडर का प्रयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हवाई हमले के दौरान घायल हुए लोगों को नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों द्वारा प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की जाएगी तथा गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जाएगा। इसके अतिरिक्त ध्वस्त भवनों में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की कार्रवाई का अभ्यास किया जाएगा। समस्त प्रक्रियाएं पूर्ण होने के उपरांत मॉक ड्रिल समाप्ति की घोषणा की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि मॉक एक्सरसाइज के सफल संचालन हेतु आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। इसमें अग्निशमन के लिए वाटर टाइप एक्सटिंग्विशर, फोम टाइप एक्सटिंग्विशर, कार्बन डाईऑक्साइड एक्सटिंग्विशर एवं ड्राई केमिकल पाउडर एक्सटिंग्विशर शामिल हैं। प्राथमिक चिकित्सा हेतु फर्स्ट एड किट, स्ट्रेचर, तिकोनी पट्टी, रोलर बैंडेज आदि की व्यवस्था की जाएगी। हवाई हमले की चेतावनी प्रसारित करने हेतु सायरन उपलब्ध रहेगा। छोटी आग लगाने के प्रदर्शन हेतु सूखी लकड़ियां, डीजल/पेट्रोल तथा बड़ी आग के प्रदर्शन हेतु आवश्यक स्ट्रक्चर का निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश शासन एवं उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुसार दिनांक 22 नवम्बर, 2026 को सायं 06:00 बजे मॉक एक्सरसाइज के आयोजन हेतु पुलिस लाइन, चुर्क का चयन कार्यक्रम स्थल के रूप में किया गया है। यहां समस्त संबंधित विभागों के नामित अधिकारी अपनी-अपनी टीम एवं मॉक ड्रिल हेतु निर्धारित उपकरणों के साथ एक घंटा पूर्व उपस्थित रहेंगे तथा मॉक ड्रिल का सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार निर्धारित मॉक एक्सरसाइज के आयोजन से पूर्व आवश्यक कार्ययोजना तैयार करने हेतु उनकी अध्यक्षता में दिनांक 19 नवम्बर, 2026 को समय अपराह्न 04:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में आवश्यक बैठक आहूत की गई है। समस्त नामित एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी-अपनी विभागीय कार्ययोजना के साथ बैठक में समय से प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, जिससे निर्धारित तिथि 22 नवम्बर, 2026 को मॉक एक्सरसाइज का सफल आयोजन, कुशल संचालन एवं समापन की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचा सोनभद्र की महिलाओं का हुनर, 'सोनअर्थ' के उत्पादों ने लखनऊ में बिखेरी अपनी पहचान

सोनभद्र की मातृशक्ति के हुनर को मिला सम्मान, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए गए 'सोनअर्थ' के उत्पाद,स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की मेहनत और आत्मनिर्भरता की पहचान बना 'सोनअर्थ', मुख्यमंत्री तक पहुंचा सोनभद्र का स्थानीय उत्पाद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री श्री संजीव कुमार गोंड ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास, 5 कालिदास मार्ग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें जनपद सोनभद्र की स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे 'सोनअर्थ' ब्रांड के विभिन्न उत्पाद भेंट किए। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री जी को 'सोनअर्थ' ब्रांड के माध्यम से महिलाओं के हुनर, स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। सोनभद्र की प्राकृतिक संपदा और परंपरा से जुड़े हैं उत्पाद-मुख्यमंत्री जी को भेंट किए गए 'सोनअर्थ' उत्पादों के पैकेट में चार प्रकार के ठेकुआ-ज्वार, रागी, कोदो एवं गेहूं से निर्मित ठेकुआ, जंगल के फूलों से प्राकृतिक रूप से एकत्रित जंगली शहद, कृषि उपज से तैयार हर्बल शहद, मंदिरों में चढ़ाए गए फूलों से निर्मित 'शिव द्वार' अगरबत्ती तथा चार प्रकार के हर्बल साबुन-बकरी के दूध, हर्बल, कॉफी और हल्दी-चंदन शामिल हैं। ये उत्पाद जनपद की स्थानीय प्राकृतिक संपदा, परंपरा और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के कौशल का प्रतिनिधित्व करते हैं।जिला खनिज फाउंडेशन के सहयोग से 'सोनअर्थ' को मिल रही नई पहचान-जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) के सहयोग से 'सोनअर्थ' ब्रांड के विकास, लोगो निर्माण, आकर्षक पैकेजिंग, प्रचार-प्रसार सामग्री तैयार करने तथा उत्पादों की गुणवत्ता जांच जैसी व्यवस्थाओं को विकसित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के पारंपरिक एवं स्थानीय हुनर को एक विशिष्ट ब्रांड के रूप में पहचान दिलाना, उनके उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा आय और रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना है। 4,700 से अधिक महिलाओं की विभिन्न आजीविका गतिविधियों में भागीदारी-'सोनअर्थ' से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में 4,700 से अधिक महिलाओं की भागीदारी है। इनमें 1,000 से अधिक महिलाएं साबुन निर्माण, 200 से अधिक अगरबत्ती निर्माण, 2,000 से अधिक श्रीअन्न की खेती, 500 से अधिक ठेकुआ निर्माण तथा 1,000 से अधिक महिलाएं शहद उत्पादन एवं संग्रहण से जुड़ी हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय किसानों एवं जनजातीय समुदाय को भी लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर समाज कल्याण राज्यमंत्री श्री संजीव कुमार गोंड ने कहा कि 'सोनअर्थ' केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि जनपद सोनभद्र की मातृशक्ति के हुनर, परिश्रम, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को नई पहचान और व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की यह पहल महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनने के अवसर मिलेंगे तथा सोनभद्र के स्थानीय उत्पादों को प्रदेश और देश स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि सोनभद्र की महिलाओं के पास हुनर, परिश्रम और आगे बढ़ने का सामर्थ्य है। 'सोनअर्थ' के माध्यम से उनके इस हुनर को एक सशक्त मंच मिल रहा है, जो स्थानीय उत्पादों को नई पहचान देने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।



दबंगों से परेशान होकर पीड़ित ने लगाई मदद की गुहार न्याय न मिलने पर की प्रेसवार्ता



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में एक मामला दबंगई का सामने आया है जहां मऊआइमा में बिजली की दुकान चलाने वाले व्यक्ति उसकी गाड़ी से हुए एक्सीडेंट के नाम पर दबंगों ने समझौता कराने के नाम पर जबरदस्ती पॉवर ऑफ़ अटॉर्नी पर साइन भी कर लिया बता दें जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस थाने में और अला अधिकारियों से और मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की गई है मीडिया क्लब के हर्ष नारायण सभागार में आज बिजली का काम करने वाले इमरान नाम के व्यक्ति ने प्रेस वार्ता करते हुए आरोप लगाया कि उसका दोस्त मोहम्मद उसकी चार पहिया वाहन गाड़ी चलाता है और उसका विवाद कौशल और इमरान नाम के व्यक्ति से था और इसके बाद पीड़ित इमरान के पास फोन आता है कि तुम्हारी गाड़ी से एक्सीडेंट हो गया है और बुलाया जाता है और समझौते के नाम पर उस पावर ऑफ अटॉर्नी पर साइन करा कर जबरदस्ती कार रख लिया जाता है वही जब पीड़ित है।

इसका विरोध किया तो उसे धमकी दी गई उसका कहना है कि मेरे नाम पर गाड़ी है और अभी किस्त सारी बाकी है और मेरी कहीं सुनवाई नहीं हो रही है और उसने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मदद की गुहार भी लगाई है।

मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूँ,....,

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बार एसोसिएशन सभागार कचहरी में सजी कवियों की महफिल में झांसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई जयंती की संध्या पर काव्य प्रशून से राष्ट्रसेवा में सर्वस्व अर्पण करने वाली महानायिका को किया गया याद कवियों ने एक से बढ़कर एक वीर रस ओज राष्ट्र वाद की रचनाओं से बांधा शमां लूटी महफिल। अध्यक्षता बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक प्रसाद श्रीवास्तव व मुख्य अतिथि योगेश दिवेदी महामंत्री बार एसोसिएशन रहे। रानी लक्ष्मीबाई व शारदे के चित्र पर माल्यार्पण पश्चात दिवाकर दिवेदी मेघ के वाणी वंदना से हुआ आगाज। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने नारी सशक्तिकरण पर कालजयी चिंतन देते हुए, देश ही मेरा सबकुछ है मैं देश की दीवानी हूँ मुझको अबला मत समझो मैं झांसी वाली रानी हूँ सुनाकर पूरी महफिल लूट लिया। गुरूवार शाम आयोजन कर रहे शहीद स्थल करारी निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने,, झांसी की रानी का पानी हिंदुस्तानी बोला भागो फिरंगी हिंदुस्तान ए हमारा है, दत्तक दामोदर को बांध पीठ कूदी समर ब्रम्ह तेज जागा अरि सैन्य को ललकारा है सुनाकर जन जन को रोमांचित कर दिए। धर्मेश चौहान ने देशगीत दयानंद दयालू ने लोकभाषा मदन चौबे ने अपनी समसामयिक रचना से गतिज उर्जा दिये। सोन साहित्य संगम प्रमुख राकेश शरण मिश्र ने अठारह सौ सत्तावन की शेरनी महारानी को याद करते हुए भावप्रधान रचना पाठ से सबको उर्जा दिये सराहे गये। शहीद स्थल उपधी के सुधाकर पांडेय स्वदेश प्रेम ने वंदेमातरम जयहिंद शिर्षक की रचना का ओजस्वी पाठ कर लोगों को देश की दशा दिशा का स्मरण कराया।अजय चतुर्वेदी कक्का ने हास्य व्यंग्य और समकालिक रचना तथा समाज व देश की विसंगति पर टिप्पणी कर सशक्त काव्यपाठ से लोगों का मन लुभाया। विवेक चतुर्वेदी ने शायरी,बात कहने का सलीका क्या है ए तुम्हें शायरी सिखायेगी। सुनाकर वाहवाही लूटी। ओज के सशक्त हस्ताक्षर प्रभात सिंह चंदेल ने सैनिक की पाती अपनी रचना से अमिट छाप छोड़ लोगों को सोचने पर विबस कर झकझोरा। सोन संगीत फाउंडेशन प्रमुख,सुशील मिश्रा ने सस्वर देश गीत गाकर शहीदों को याद किये।संचालक अशोक तिवारी ने खौफ है नहीं कोई धूप में नहाने से, प्रकारांतर में काव्य पाठ कर महारानी को याद किये। आयोजन देर शाम तक चलता रहा आभार ऋषभ त्रिपाठी ने व्यक्त किया। सोनभद्र बार एसोसिएशन सांस्कृतिक साहित्यिक प्रकोष्ठ व शहीद स्थल करारी की ओर से आयोजित उक्त आयोजन में लोग?देर शाम तक जमे रहे। इस अवसर पर त्रिपुरारी मिश्रा प्रदीप सिंह जयशंकर त्रिपाठी ओमप्रकाश पाठक गोपाल बंगाली बंटी हर्ष देवानंद पांडेय गुलाम हुसैन फारुख अली हास्मी ठाकुर कुशवाहा पुरुषोत्तम मौर्य अंशिका आद्या समता गीता गौर एडवोकेट अजीत शुक्ल नंदलाल आदि रहे।



(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। यमुनानगर के घूरपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रेलवे ट्रैक पार कर एसएमसी स्कूल जा रहे बच्चे की ट्रेन दुर्घटना में हुई थी मौत स्कूल प्रबंधन पर लगा बच्चे को लौटने का आरोप निराधार पूरे प्रकरण पर एसीपी कौंधियारा अब्दूस सलाम खान का बयान।



सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर हादसों पर लगाएं अंकुशःएआरटीओ

डीएवी स्कूल में गोष्ठी आयोजित कर छात्र-छात्राओं व स्कूल वाहन चालकों को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत गुरुवार को डीएवी स्कूल राबर्ट्सगंज में गोष्ठी आयोजित कर छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) कौशल कुमार सिंह और सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) सुधा सिंह ने बच्चों को सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी देते हुए उनके पालन का आह्वान किया। गोष्ठी में एआरटीओ प्रवर्तन सुधा सिंह ने कहा कि सड़क पर सुरक्षित चलने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। वाहन चलाते समय चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होना अनिवार्य है। नियमों की अनदेखी न केवल चालक बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान के लिए भी खतरा बन सकती है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से यातायात नियमों को अपने जीवन में अपनाने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बस व टैक्सी चालकों तथा परिचालकों को भी बुलाकर वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में जानकारी दी गई।उन्हें सीट बेल्ट, वैध लाइसेंस, इमरजेंसी गेट, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र सहित वाहनों में उपलब्ध आवश्यक सुरक्षा उपकरणों के उपयोग और उनकी अनिवार्यता के बारे में बताया गया।

एआरटीओ प्रवर्तन ने चालकों को निर्देशित किया कि वाहन चलाते समय गुटखा अथवा किसी भी नशीले पदार्थ का सेवन न करें।

लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी, यहां तक कि लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। इस मौके पर शिक्षक हरिकेश यादव, रागिनी मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, अश्वनी सिंह, मनोज कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।



छात्र-छात्राओं को नियमों की जानकारी देती एआरटीओ प्रवर्तन सुधा

अपने स्वभाव की योग्यता के अनुसार कर्म में लगा हुआ मनुष्य परमसिद्धि को प्राप्त होता हैः यथार्थ गीता

स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज द्वारा रचित गीता भाष्य यथार्थ गीता पर हुई परिचर्चा-हंसवाहिनी इंटर कालेज कसया में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केकराही क्षेत्र के हंसवाहिनी इंटर कालेज में गुरुवार को परमहंस स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज द्वारा रचित गीता भाष्य यथार्थ गीता पर परिचर्चा हुई। चर्चा में गीता की पंक्तियों को उद्धत करते हुए कहा गया कि अपने अपने स्वभाव में पायी जाने वाली योग्यता के अनुसार कर्म में लगा हुआ मनुष्य भगवत्प्राप्तिरुपी परमसिद्धि को प्राप्त होता है। यह कर्म शास्त्र विधि से निर्धारित किया हुआ कर्म है। जिस परमात्मा से यावन्मात्र जीव- जगत की प्राप्ति हुई है, जिससे यह संपूर्ण जगत व्याप्त है, उस परमेश्वर को स्वकर्मणा - अपने स्वभाव से उत्पन्न कर्म करने की क्षमता के अनुसार अर्चन- पूजन करके मानव परमसिद्धि को प्राप्त होता है जिसके बाद कुछ भी पाना शेष नहीं रहता। गीता जयंती समारोह समिति सोनभद्र के सदस्य व कालेज के प्रधानाचार्य उमाकांत मिश्र ने गीता की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूजा एक परमात्मा का ही करना चाहिए। श्रेयान्स्वधर्मो विगुणः- परधर्मात्स्वनुष्ठितात् । अच्छी प्रकार अनुष्ठान किए हुए दूसरे के धर्म से गुणरहित भी स्वधर्म परमकल्याणकारी है। स्वभाव से निर्धारित किया हुआ कर्म करता हुआ मनुष्य पाप अर्थात आवागमन को प्राप्त नहीं होता।राजेन्द्र पांडेय ने कहा कि स्वभाव से उत्पन्न सहज कर्म को नहीं त्यागना चाहिए। साधना का आरंभ अल्पज्ञ श्रेणी से ही होता है। क्रमशः उन्नति होते-होते एक परमात्मा की ओर बढ़ने का विधान है। अरुण पति तिवारी ने गीता पढ़ते हुए कहा कि गीता बाहर समाज में, मनुष्यों में बंटवारा नहीं करती। इस अवसर पर ऋषिवेश लाल,सुरेश यादव,चंद्रकांत मिश्र,संतोष कुमार,सतीश कुमार,कमलेश मौर्य,प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।



तियरा में सनातन धर्म रक्षक पुरोहित सम्मान समारोह, विधायक भूपेश चौबे ने किया पुरोहितों का सम्मान

रामचरितमानस, शाल और जनेऊ देकर किया गया अभिनंदन, सनातन में सभी के कल्याण की कामना - विधायक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सदर विधानसभा क्षेत्र के तियरा स्थित ब्रह्म बाबा परिसर में गुरुवार को सनातन धर्म रक्षक पुरोहित सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में पहुंचे पुरोहितों का रामचरितमानस, अंग वस्त्र, शाल, शंख और जनेऊ देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार और ब्रह्म बाबा के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद विधायक भूपेश चौबे ने एक-एक कर पुरोहितों को माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और रामचरितमानस भेंट कर उनका अभिनंदन किया। सम्मान पाकर पुरोहितों के चेहरे खिल उठे और पूरे परिसर में जय श्रीराम और हर-हर महादेव के जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर आयोजक सदर विधायक भूपेश चौबे ने पुरोहित समाज का सम्मान करते हुए कहा कि सनातन धर्म में बिना किसी भेदभाव के सभी के कल्याण की मंगल कामना की जाती है। पुरोहित समाज का सम्मान हर व्यक्ति करता है। कोई भी मंगल कार्य हो या अन्य कोई कार्य हो, उसमें सर्वप्रथम पुरोहित की ही जरूरत होती है। पुरोहित ही समाज को धर्म, संस्कार और संस्कृति से जोड़ने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा में पुरोहितों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। जन्म से लेकर मृत्यु तक के सभी संस्कार पुरोहितों के माध्यम से ही संपन्न होते हैं। ऐसे में पुरोहितों का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है। उन्होंने पुरोहित समाज को आश्वस्त किया कि उनके मान-सम्मान और हितों की रक्षा के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। समारोह में उपस्थित पुरोहितों ने भी विधायक के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से पुरोहित समाज का मनोबल बढ़ता है और नई पीढ़ी भी सनातन परंपरा से जुड़ने के लिए प्रेरित होती है। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए प्रसाद और भंडारे की व्यवस्था की गई थी। रामचंद्रचंद्राचार्य पारस मिश्र जगदीश पंथी लालता प्रसाद पाठक कृष्णा तिवारी आलोक सिंह शिव कुमार शास्त्री? यादवेंद्र दत्त द्विवेदी अनूप तिवारी आलोक चतुर्वेदी लक्ष्मण दुबे शिव शंकर चतुर्वेदी रवि प्रकाश चतुर्वेदी विशाल चतुर्वेदी योगेंद्र बिना दिलीप चौबे देवेश मिश्रा अनिल मिश्रा शंभू नाथ चौबे अमरेश शुक्ल नागेंद्र नाथ शुक्ला प्रेमनाथ चौबे सिद्धनाथ चौबे वेद प्रकाश त्रिपाठा यज्ञ नारायण दुबे ओम दुबे अटल बिहारी ओझा निर्भय पांडे सहित आचार्य गण मौजूद रहे।



551 दीप जलाकर रानी लक्ष्मीबाई को किया नमन

चाचा नेहरू पार्क में जयंती पर जुटे नागरिक, वीरांगना के शौर्य को किया याद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर नगर स्थित चाचा नेहरू पार्क में 551 दीप जलाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शाम पांच बजे आयोजित कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, बच्चों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर वीरांगना के अदम्य साहस, शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। कार्यक्रम के संयोजक सौरभ सिंह पटेल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन स्वाभिमान, वीरता और राष्ट्रप्रेम की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने देश के महापुरुषों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और शहादत दिवस पर इसी तरह आयोजन कर उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में अमित पाण्डेय, संजय जायसवाल, बीएन सिंह, सुनील सिंह, वकील खान, अनुज सिंह, इंदु प्रकाश सिंह, देवानंद पाठक, राजाराम दुबे, रमेश सिंह, क्रांति सिंह,

रावेश चौधरी, बृजेश श्रीवास्तव, गोपाल सिंह, विवेक सिंह, शिवा एवं अजीत शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में संरक्षक अभिषेक मिश्रा ने सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



छोटी सी इलायची के बड़े फायदे-डाइटीशियन से जानें 7 हेल्थ बेनिफिट्स, ज्यादा खाने के नुकसान, बीपी लो है तो कम खाएं

नयी दिल्ली। हरी इलायची साइज में भले ही छोटी होती है, लेकिन इसकी खास खुशबू किसी भी व्यंजन का जायका बदल देती है। चाय, मिठ्ठाई और कई दूसरे पकवानों में इसका इस्तेमाल सदियों से होता आ रहा है। यही वजह है कि इसे 'मसालों की रानी' कहा जाता है। आयुर्वेद में इसका इस्तेमाल डाइजेस्टिव और ओरल हेल्थ के लिए किया जाता रहा है। न्यूट्रिशन साइंस भी इसे सेहत के लिए फायदेमंद मानता है।वहीं 'फूड साइंस एंड न्यूट्रिशन' जर्नल में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, इलायची ब्लड प्रेशर कम करने में भी मददगार होता है। 'ईरानी जर्नल ऑफ बेसिक मेडिकल साइंसेज' (आईजेबीएमएस) में पब्लिश एक रिव्यू के मुताबिक, इलायची में कई ऐसे नेचुरल कंपाउंड होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में इलायची के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- इलायची में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? किन लोगों को इलायची खाने में सावधानी बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अनु अग्रवाल, सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन, फाउंडर- 'वनडाइटटुडे' जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- इलायची कितनी तरह की होती है? जवाब- इलायची मुख्य रूप से दो तरह की होती है-हरी इलायची-इसकी खुशबू मीठ्ठी, हल्की और ताजगी देने वाली होती है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से मीठ्ठे व्यंजनों में किया जाता है। इसकी तासीर ठ्ठंडी होती है। इसे 'छोटी इलायची' भी कहते हैं।बड़ी इलायची-यह साइज में बड़ी और काले या भूरे रंग की होती है। इसकी खुशबू तेज और स्मॉकी होती है। इसकी तासीर गर्म होती है। इसका इस्तेमाल मुख्य रूप से नमकीन व्यंजनों और 'गरम मसाला' बनाने में किया जाता है। सवाल- हरी इलायची में कौन-से न्यूट्रिएंट्स होते हैं? जवाब- 'यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर' (ळऊै) के मुताबिक, इलायची में फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम, आयरन और फॉस्फोरस जैसे कई जरूरी पोषक तत्व होते हैं। सवाल- हरी इलायची में कौन-से बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं? जवाब- इलायची में कई तरह के बायोएक्टिव कंपाउंड्स होते हैं, जो अपने एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जाने जाते हैं। इलायची में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड्स कंपाउंड्स/ प्रभाव- फेनॉल्स, फ्लेवोनोइड्स एंटीऑक्सिडेंट गुण, टेरपेनॉइड्स- खुशबू और स्वाद में अहम भूमिका, अल्फा टर्पिनिल एसीटेट-खास खुशबू के लिए जिम्मेदार, लिनालूल फूलों जैसी खुशबू, लिमोनीन- साइट्स जैसी खुशबू, सिनियोल- खुशबू एंटीमाइक्रोबियल गुण। सवाल- हरी इलायची के क्या हेल्थ बेनिफिट्स हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- हरी इलायची में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने में मदद करते हैं और इम्यून सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन कम करने में मदद करते हैं। इसमें एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद हैं। इलायची के हेल्थ बेनिफिट्स:- ओरल हेल्थ 17 बेहतर रखे। सांसों की स्मेल दूर करे। पाचन तंत्र को सपोर्ट करे। ब्लड प्रेशर संतुलित रखे। इंफ्लेमेशन कम करे। लिवर हेल्थ को सपोर्ट करे। हार्ट हेल्थ के लिए फायदेमंद। सवाल- इलायची को साबुत चबाना ज्यादा फायदेमंद है या पाउडर के रूप में इस्तेमाल करना? जवाब- इलायची को साबुत चबाने और पाउडर के रूप में इस्तेमाल करने के फायदे लगभग आसानी से मिलाया जा सकता है। इसे व्यंजनों में मिलाने से स्वाद और खुशबू अच्छी तरह फैलती है। इसमें मौजूद सुगंधित यौगिक खाने को खास जायका देते हैं। साबुत इलायची की तरह ही इसके पाउडर में भी प्राकृतिक पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। सवाल- क्या बड़ी इलायची भी सेहत के लिए फायदेमंद है? जवाब- हां, बड़ी इलायची में भी एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों वाले कंपाउंड्स होते हैं। ये शरीर को ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाने और सूजन कम करने में मदद करते हैं। सवाल- हरी इलायची को अपनी डाइट में कैसे शामिल कर सकते हैं? जवाब- इलायची को रोजाना की डाइट में कई तरीकों से शामिल कर सकते हैं, जैसेकि- चाय में इलायची डाल सकते हैं। दूध में इलायची पाउडर मिला सकते हैं। खीर, हलवा और दूसरी मिठ्ठाइयों में इस्तेमाल कर सकते हैं। हरी इलायची को सीधे चबाकर खा सकते हैं। स्मूदी या ओट्स में इलायची पाउडर मिला सकते हैं। सवाल- क्या डायबिटिक लोग इलायची खा सकते हैं? जवाब- हां, डायबिटीज के मरीज संतुलित मात्रा में खाने या चाय में इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, इलायची ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करती है, इसके पर्याप्त वैज्ञानिक सबूत नहीं हैं। सवाल- क्या ज्यादा इलायची खाना नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा इलायची खाने से कुछ लोगों को एलर्जी या पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। सीमित मात्रा में इलायची का सेवन ज्यादातर लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है। इलायची में बहुत से फायदेमंद तत्व होते हैं, लेकिन फिर भी इसे ज्यादा नहीं खाया जा सकता। एक बार में 3-4 इलायची से ज्यादा खाना नुकसानदायक है। अगर कोई हेल्थ कंडीशन है तो एक बार डॉक्टर की सलाह जरूर लें। सवाल- एक दिन में कितनी इलायची खाना सुरक्षित है? जवाब- सीनियर क्लीनिकल डाइटीशियन डॉ. अनु अग्रवाल के मुताबिक, आमतौर पर डेली 1-2 छोटी इलायची खाना ज्यादातर स्वस्थ लोगों के लिए सुरक्षित माना जाता है। सवाल- किन लोगों को इलायची नहीं खानी चाहिए? जवाब- संतुलित मात्रा में इलायची खाना आमतौर पर सभी के लिए सुरक्षित है। लेकिन कुछ लोगों को इसे खाने में सावधानी बरतनी चाहिए- ये लोग इलायची खाते हुए बरतें सावधानीः-जिनका बीपी, 'जिन्हें गालब्लैडर स्टोन है। प्रेग्नेंट महिलाएँ-जिन्हें एलर्जी है। लो रहता है। जो ब्लड थिनर दवाएं लेते हैं। जिन्हें सांस से जुड़ी समस्या है। सवाल- इलायची खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? जवाब- इस दौरान कुछ बातों का खास ख्याल रखें-भरोसेमंद दुकान से ही खरीदारी करें। इलायची में नमी या सीलन की स्मेल न हो। बहुत ज्यादा चमकदार या असामान्य रंग वाली इलायची न लें। पैकेट बंद इलायची खरीदते समय पैकिंग की स्थिति, पैकिंग डेट और बेस्ट-बिफोर डेट जरूर चेक करें। पैकेट पर एफएसएसएआई लाइसेंस नंबर चेक करें। पिसी की बजाय खड़ी इलायची खरीदें। पिसी इलायची में मिलावट का रिस्क होता है। इलायची से जुड़े कॉमन सवाल जवाबः-सवाल- क्या खाली पेट छोटी इलायची खाना फायदेमंद है? जवाब- इससे पाचन संबंधी समस्याओं से राहत मिल सकती है। सवाल- क्या इलायची खाने से वजन कम होता है? जवाब- इसका पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। सवाल- क्या रात में इलायची खाना सही है? जवाब- हां, सामान्य मात्रा में रात में भी इलायची खा सकते हैं। सवाल- क्या इलायची खाने से मुंह की स्मेल हमेशा के लिए दूर हो जाती है? जवाब- नहीं, इलायची चबाने से कुछ समय के लिए स्मेल कम हो सकती है, लेकिन यह इसके मूल कारण का इलाज नहीं है।सवाल- क्या इलायची की चाय रोज पी सकते हैं? जवाब- हां, सामान्य मात्रा में इलायची वाली चाय पी सकते हैं। सवाल- क्या बच्चों को इलायची खिलाना सुरक्षित है? जवाब- हां, उम्र के अनुसार खाने में थोड़ी मात्रा में इलायची इस्तेमाल कर सकते हैं।





महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में चीन-जापान का विजयी शुरुवात,थाईलैंड को 7-0 से हराया, कोरिया पर जापान की रोमांचक जीत,थोड़ी देर में भारत-मलेशिया की भिड़ंत

भोपाल। मध्य प्रदेश महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के पहले दिन भोपाल में एशियाई हॉकी का रोमांच देखने को मिला है। टूर्नामेंट वेऊ शुरुआती मुकाबलों में चीन और जापान ने शानदार जीत दर्ज कर अपने अभियान का आगाज किया। चीन ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि जापान ने आखिरी मिनटों तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया। चीन की जीत में डेंग क्यूचान और फेंग किंगमियाओ ने दो-दो गोल किए, वहीं जापान की ओर से सैतो हानामी ने निर्णायक गोल दागा। अब दिन के आखिरी मुकाबले में मेजबान भारतीय टीम का सामना मलेशिया से होगा। घरेलू दर्शकों के सामने भारतीय टीम भी जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करना चाहेगी। दिन के पहले मुकाबले में चीन की टीम ने शुरुआत से ही थाईलैंड पर दबाव बनाए रखा। हालांकि पहले क्वार्टर में दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं और स्कोर 0-0 रहा, लेकिन दूसरे क्वार्टर में चीन ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए दो गोल दाग दिए। मैच के 27वें मिनट में फेंग किंगमियाओ ने फील्ड गोल कर चीन का खाता खोला। इसके ठीक एक मिनट बाद डेंग क्यूचान ने दूसरा गोल दागकर टीम की बढ़त 2-0 कर दी। हाफ टाइम तक चीन इसी बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में पहुंच गया था।तीसरे क्वार्टर में चीन ने मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। 32वें मिनट में फेंग किंगमियाओ ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल किया। इसके अगले ही मिनट कप्तान वेई किक्सियाओ ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। 38वें मिनट में चेन युजुन ने फील्ड गोल किया, जबकि 42वें मिनट में डेंग क्यूचान ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 6-0 कर दिया। अंतिम क्वार्टर में भी चीन का आक्रमण जारी रहा। 59वें मिनट के करीब झांग हेयांग ने पेनल्टी कॉर्नर पर सातवां गोल दागकर टीम की 7-0 से जीत पक्की कर दी। चीन की ओर से डेंग क्यूचान और फेंग किंगमियाओ ने दो-दो गोल किए, जबकि वेई किक्सियाओ, चेन युजुन और झांग हेयांग ने एक-एक गोल का योगदान दिया। चीन ने मुकाबले में कुल 10 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और तीन को गोल में बदला। दूसरी ओर थाईलैंड की टीम पूरे 60 मिनट में एक भी गोल नहीं कर सकी। दिन के दूसरे मुकाबले में जापान और दक्षिण कोरिया के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। दोनों टीमों ने मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और एक-दूसरे को गोल करने का कोई आसान मौका नहीं दिया। पहले तीनों क्वार्टर में मुकाबला गोलरहित रहा।





जापान ने आक्रमण में लगातार दबाव बनाया और पेनल्टी कॉर्नर के कई मौके हासिल किए, लेकिन दक्षिण कोरिया की रक्षापंक्ति और गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। चौथे क्वार्टर में भी मुकाबला बराबरी पर बना रहा और ऐसा लग रहा था कि मैच का फैसला ड्रॉ से होगा।लेकिन आखिरी मिनटों में जापान ने बाजी पलट दी। मैच के 58:59 मिनट पर जापान को मिले पेनल्टी कॉर्नर पर सैतो हानामी ने शानदार गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्षणों में दक्षिण कोरिया ने बराबरी के लिए पूरी ताकत लगाई, लेकिन जापान की रक्षापंक्ति ने उसे सफल नहीं होने दिया।जापान ने कुल 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन केवल एक को ही गोल में बदल सकी। टीम को एक पेनल्टी स्ट्रोक भी मिला, जिसे गोल में नहीं बदला जा सका। दक्षिण कोरिया को दो पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन वह पूरे मुकाबले में गोल का खाता नहीं खोल सकी। टूर्नामेंट के शुरुआती दिन चीन और जापान ने अलग-अलग अंदाज में अपनी ताकत दिखाई। चीन ने जहां सात गोल की बड़ी जीत के साथ अपनी आक्रामक क्षमता का परिचय दिया, वहीं जापान ने आखिरी मिनट तक धैर्य बनाए रखते हुए करीबी मुकाबला अपने नाम किया। पहले दिन के परिणामों से साफ है कि दोनों टीमें खिताब की दौड़ में मजबूत चुनौती पेश करने के इरादे से उतरी हैं। दूसरी ओर थाईलैंड और दक्षिण कोरिया को अपने शुरुआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा ले रही हैं। राउंड रॉबिन चरण में सभी टीमें एक-दूसरे से भिड़ेंगी और इसके बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। मेजबान भारतीय टीम भी घरेलू मैदान पर खिताब बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भोपाल में 19 से 28 नवंबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में भारत सहित छह देशों की महिला हॉकी टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनमें चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड शामिल हैं। प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों के खिलाफ मुकाबला करेगी। लीग के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। भारतीय महिला हॉकी टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ मुकाबले से करेगी। मेजबान भारत इस प्रतियोगिता का मौजूदा चैंपियन भी है। भोपाल के लिए यह प्रतियोगिता खास महत्व रखती है। शहर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन से मध्य प्रदेश में हॉकी को नई पहचान मिलने की उम्मीद है। भोपाल में इससे पहले वर्ष 2009 में वर्ल्ड सीरीज हॉकी का आयोजन किया गया था। हालांकि, महिला हॉकी का अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट शहर में पहली बार आयोजित हो रहा है। ऐशबाग स्टेडियम में कई वर्षों तक पुरुष हॉकी के नेशनल टूर्नामेंट भी आयोजित किए जाते रहे हैं। छह देशों की टीमों की मौजूदगी से भोपाल को अंतरराष्ट्रीय हॉकी की मेजबानी का एक और मौका मिला है। टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही छह टीमों की वर्ल्ड रैंकिंग में चीन चौथे स्थान के साथ सबसे आगे है। भारतीय टीम सातवें स्थान पर है। जापान 11वें, कोरिया 15वें, मलेशिया 21वें और थाईलैंड 28वें स्थान पर है। एशियाई रैंकिंग में चीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर है। ऐसे में भारतीय टीम के सामने घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन कर खिताब की दावेदारी मजबूत करने की चुनौती होगी।भारतीय टीम लीग चरण में अपने पांचों प्रतिद्वंद्वी देशों से भिड़ेगी। टीम का पहला मुकाबला 19 नवंबर को मलेशिया से होगा। इसके बाद 21 नवंबर को कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से सामना होगा। पहले दिन भारत और मलेशिया के मुकाबले का समय शाम 4:45 बजे रखा गया है, जबकि भारत के बाकी चार लीग मैच शाम 7 बजे खेले जाएंगे।लीग चरण के मुकाबले 25 नवंबर को समाप्त होंगे। इसके बाद 27 नवंबर को टीमों की पोजिशन के आधार पर तीन मुकाबले खेले जाएंगे। दोपहर 2 बजे पांचवें और छठे स्थान की टीमें भिड़ेंगी। शाम 4:30 बजे पहले और चौथे स्थान की टीमों के बीच तथा शाम 7 बजे दूसरे और तीसरे स्थान की टीमों के बीच मुकाबला होगा। 28 नवंबर को शाम 4:30 बजे ब्रॉन्ज मेडल और शाम 7 बजे गोल्ड मेडल के लिए मैच खेला जाएगा। इसी के साथ 10 दिन तक चलने वाली इस अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप का समापन होगा। भोपाल में छह देशों की महिला हॉकी टीमों की मौजूदगी से अंतरराष्ट्रीय खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय टीम को घरेलू दर्शकों का समर्थन मिलेगा। टूर्नामेंट में चीन और जापान जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अहम रहेगा।



वेलिंगटन टेस्ट के पहले ही दिन न्यूजीलैंड 243/5,ग्लेन फिलिप्स की फिफ्टी,बुमराह को 3 विकेट, हेनरी निकल्स का शतक

स्पोर्ट डेस्क। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन पांच विकेट खोकर 243 रन बना लिए। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के 5 विकेट 70 रन पर गिर गए थे। इसके बाद हेनरी निकल्स (113 रन) और ग्लेन फिलिप्स (94 रन) ने छठे विकेट के लिए 173 रन की नाबाद साझेदारी की। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 3 विकेट लिए। आकाशदीप और अंशुल कंबोज को 1-1 विकेट मिले भारत की प्लेइंग-11 में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किया गया। 80 ओवर का खेल पूरा हो गया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने नई गेंद की मांग की है। बता दें कि किसी पारी में 80 ओवर का खेल होने के बाद नई गेंद उपलब्ध होती है। हालांकि, इसे लेने या न लेने का फैसला फील्डिंग टीम के कप्तान का होता है।प्रसिद्ध कृष्णा ने 78वें ओवर में 5 रन खर्च कर दिए। उनकी तीसरी बॉल पर हेनरी निकल्स ने चौका लगाया। प्रसिद्ध ने 16 ओवर की गेंदबाजी में 58 रन खर्च कर दिए हैं। 74वें ओवर में हेनरी निकल्स को जीवनदान मिला। प्रसिद्ध कृष्णा की शॉर्ट गेंद पर निकल्स ने पुल किया। गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर हवा में गई। बैकवर्ड स्क्वेयर लेग से देवदत्त पडिक्कल और विकेटकीपर ऋषभ पंत कैच लेने दौड़े। दोनों के बीच तालमेल नहीं बना और पडिक्कल ने आसान कैच छोड़ दिया। 70वें ओवर में हेनरी निकल्स ने शतक पूरा किया। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर स्क्वेयर लेग की ओर खेलकर एक रन लिया और टेस्ट करियर का 12वां शतक पूरा किया।

वापसी के बाद यह उनका दूसरा शतक और भारत के खिलाफ पहला शतक है। उन्होंने पहले ओवर में कप्तान टॉम लैथम का विकेट गिरने के बाद पारी संभाली और शानदार बल्लेबाजी की।

66वें ओवर में न्यूजीलैंड ने 200 रन का आंकड़ा पार कर लिया। हेनरी निकल्स ने वॉशिंगटन सुंदर की तीसरी गेंद पर चौका लगाया। आकाशदीप ने 61वें ओवर में महज 2 रन खर्च किए।

उनकी पहली बॉल नो बॉल करार दी गई। उसके बाद ग्लेन फिलिप्स ने सिंगल लिया।

खतरा बाहर से कम है, अगर आपके 'कैरेक्टर' में दम है!

कल्पना करें कि दुनिया से दूर, पहाड़ों में, एक पैर पर खड़े एक आदमी तपस्या कर रहा है। उसकी शक्ति बढ़ती जा रही है, लगता है अब कोई नहीं रोक सकता। ऐसे में, उसकी तपस्या वरदान देता है, उसके सामने एक अप्सरा भी प्रकट होगी! जेन्सेन फिसल गए और उनकी दुनिया बदल गई। कंपनी हाथ से गई और इज्जत भी। लोग उन्हीं के एआई का इस्तेमाल करके उन्हीं लालच हैं, धन के अनेक लालच हैं। सब 'अप्सरा' के रूप हैं, यानी तपस्या भंग करने के साधन। आप कहेंगे, मैं तो वैसे भी आम इंसान हूं, मुझे इस सब से क्या लेना-देना? तो मैं कहूंगी कि जो



भंग करने एक अप्सरा आती है। कई दिन तक तपस्वी टस से मस नहीं होता, लेकिन एक दिन उसका मन ललचा जाता है। धीरे से एक आंख खोलता है, और बस, अप्सरा का तीर निशाने पे। सालों की तपस्या बर्बाद, तपस्वी फिर से बन गया आम इंसान। यह कोई पौराणिक कथा नहीं, हाल ही में अमेरिका की सबसे शक्तिशाली कंपनी के मालिक के साथ यही हुआ है। आप कहेंगे वो कौन-से पहाड़ पर चढ़कर तपस्या कर रहे थे। तो मेरा मानना यह है कि अपना स्टार्टअप शुरू करना एक तरह की तपस्या ही है। दुनिया एक रास्ते पर, आप अलग रास्ते पर। इंसान के सिर पर इतनी जिम्मेदारियां कि उन्हें बैलेंस करना एक पैर पर खड़े रहने का एहसास दिलाता है। बहुत संघर्ष करना पड़ता है, दुनिया से, और अपने आप से भी। तब जाकर सफलता मिलती है। और फिर आती है लुभाने वाली अप्सरा! 33 साल की तपस्या से जेन्सेन हुआंग ने एक ऐसी कंपनी बनाई, जिसके बल पर पूरी एआई रिवॉल्यूशन टिकी हुई है। लेकिन शायद वो भूल गए कि जिसे भगवान शक्ति का का मजाक उड़ा रहे हैं, मीम्स बना-बना कर! आदमी सर छुपाए तो कहां, पत्नी और बच्चों ने भी अब शायद मुंह मोड़ लिया है। खैर, मेरा कहने का मतलब यह है कि कोई कितना भी धनवान हो, शक्तिशाली हो, पर सृष्टि का नियम है- उसकी भी परीक्षा होगी! निर्णय वो लेता है कि तपस्या में लीन रहूं या आंख खोल दूं। आंख खोलने के बाद भी मौका है कि जो मुझे लुभा रहा है उसे नजरअंदाज कर दूं। अंदरूनी शक्ति इसको ही कहते हैं। लेकिन जो एक बार फिसल गए, तो फिर आप बाहर की दुनिया को धोखा देते रहो, वो शक्ति अब आपके पास नहीं। शत्रु सूंघ लेता है आपकी कमजोरी, और एक दिन आप पर ऐसा जबरदस्त हमला होता है, जिससे आप बुरी तरह घायल। क्योंकि इस युद्ध में सिर्फ सच्चाई का कवच ही आपकी रक्षा कर सकता है, और वो तो आपने पहले ही त्याग दी! जेन्सेन की कहानी में एक नहीं, अनेक 'अप्सराओं' का पता चला है। पर जरूरी नहीं कि लुभाने वाला कोई जीती-जागती मोहित करने वाली महिला ही हो। मन के अनेक कोई इस पृथ्वी पर मनुष्य-रूप में पैदा हुआ है, वो यहां तप करने ही आया है। एक तरफ कुआं, एक तरफ खाई, लगे रहो मुन्नाभाई। आपको भी चूज करना है, अगर महफूज रहना है। अप्सरा आती है, दिल लुभाती है।

फोन ने फिर पिंग किया, ध्यान आपका भंग किया। शादी के बाद डेटिंग कर रहे हैं, दुनिया की नजर से डर रहे हैं। बैंक बैलेंस से बड़ा होता है कैरेक्टर। नहीं तो आप क्या हैं, सिर्फ एक एक्टर? पुराणों में कहा है कि कड़ी तपस्या, बनती थी देवलोक की समस्या।

देवलोक डगमगा जाता था, इंद्र सकपका जाता था। आज भी किसी की तरक्की देखकर लोग हिल जाते हैं, उसे गिरते देख खिल जाते हैं।

लेकिन याद रहे खतरा बाहर से कम है, अगर आपके कैरेक्टर में दम है! अप्सरा आएगी, उसे घास न दो। आने अपने पास न दो। वो थक जाएगी, हो जाएगी हताश। करेगी किसी और तपस्वी की तलाश!(ये लेखिका के अपने विचार हैं,रश्मि बंसल)

छात्रों को आत्महत्या करने के लिए क्या मजबूर कर देता है?

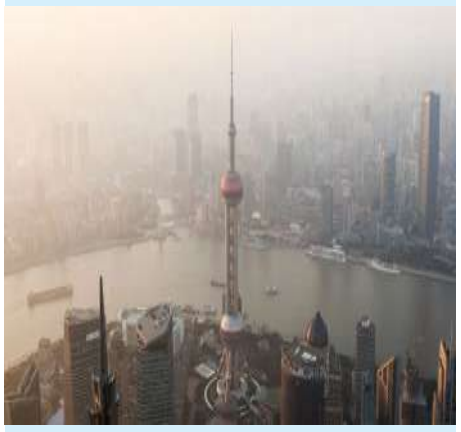
पहले आईआईटी बॉम्बे और हाल ही में आईआईटी रुड़की में छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के मामलों ने एक बार फिर देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में ऐसी घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यदि इन आत्महत्याओं जवाबदेही है। रिपोर्ट में बताया गया कि 1456 उच्च शिक्षण संस्थानों में से 1264 (87फीसदी) ने ईओसी स्थापित होने की जानकारी दी। हालांकि, इन प्रकोष्ठों के औपचारिक रूप से मौजूद होने का अर्थ यह नहीं गतिविधियों में कैसे बार-बार जातिगत बहिष्कार किया जाता है। सामाजिक रूप से वंचित विद्यार्थियों के लिए रेमेडियल प्रोग्राम्स को 'एससी/एसटी ओनली' प्रोग्राम कहा जाता है। उन पर जातिसूचक फब्तियां



को महज उन छात्रों की निजी परिस्थितियों, चिंताओं या समस्याओं से जुड़ी घटना मान लिया जाए तो यह बड़ी भूल होगी। ये घटनाएं विद्यार्थियों पर अकादमिक दबाव और जातिगत भेदभाव जैसे कारणों से बढ़ रहे मानसिक तनाव की ओर भी इशारा करती हैं। 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उच्च शिक्षण संस्थानों में मेंटल हेल्थ सपोर्ट के मौजूदा तंत्र की समीक्षा और जातिगत भेदभाव से जुड़ी चिंताओं का दस्तावेजीकरण करने के लिए एक नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) गठित की थी। एनटीएफ ने छोटे-मोटे रूप में जातिगत भेदभाव मौजूद होने के संकेत दिए थे। जैसे, आरक्षण के तहत दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों का अपमान, आरक्षित सीटों तक पहुंच में बाधाएं और जाति संबंधी समस्याएं उठाने वालों को परेशान करना। हालांकि ऐसी शिकायतों के निपटारे के लिए औपचारिक प्रकोष्ठ मौजूद थे, लेकिन उन पर भरोसा बहुत ही कम था। एनटीएफ की अंतरिम रिपोर्ट में इक्वल अपॉर्च्युनिटी सेल (ईओसी) को सबसे उपेक्षित निकायों में से एक बताया गया है, जिसके पास न तो वास्तविक अधिकार हैं और न ही बुनियादी था कि ये प्रभावी ढंग से काम भी कर रहे थे। कई ईओसी केवल कागजों पर थे और उनके पास कार्यालय, उचित रिकॉर्ड, स्टाफ या वैधानिक अधिकार तक नहीं थे। यूजीसी के 2012 के उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने संबंधी नियमों के तहत 2,473 शिकायतें दर्ज की गई थीं। इनमें से 43 लंबित थीं, जबकि 2,430 का निपटारा हो गया था। यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार 10 राज्यों में एक भी शिकायत दर्ज नहीं हुई, जबकि 25 राज्यों में कोई शिकायत लंबित नहीं थी।रिपोर्ट कहती है कि जातिगत भेदभाव की औपचारिक शिकायतें कम होने का कारण यह नहीं है कि कोई शिकायतें हैं ही नहीं, बल्कि यह है कि विद्यार्थी प्रशासनिक प्रताड़ना और भविष्य में अकादमिक तौर पर नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका से डरे रहते हैं। एनटीएफ की रिपोर्ट में उल्लेखित सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआरएचई) के एक अध्ययन से भी इन चिंताओं की पुष्टि होती है। अध्ययन में बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक और यूपी के 12 उच्च शिक्षण संस्थानों को शामिल किया गया। इसमें बताया गया कि कैम्पस में रोजमर्रा की कसी जाती हैं। इन विद्यार्थियों की शैक्षणिक क्षमता को लेकर धारणाएं बनाना और सार्वजनिक रूप से उनकी पहचान आरक्षित वर्ग के रूप में करना कैम्पस में जाति आधारित लांछन और उपेक्षा के भाव को और मजबूत करता है। समय-समय पर बनी जांच समितियों, आयोगों और नियामक सुरक्षा उपायों के मौजूद रहते हुए भी उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव के आरोप सामने आते रहे हैं। 2007 में गठित थोराट समिति ने एम्स में शिक्षण, मूल्यांकन, शिक्षकों के व्यवहार, छात्रावासों और कैम्पस की गतिविधियों में भागीदारी के दौरान एससी/एसटी विद्यार्थियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों का दस्तावेजीकरण किया था। इनमें से करीब 69फीसदी विद्यार्थियों ने शिक्षकों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिलने की बात कही थी। यूजीसी (प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन) रेगुलेशंस- 2026 में शिकायतों के निपटारे के लिए समयबद्ध प्रक्रियाएं तय की गई थीं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इन नियमों को फिलहाल स्थगित रखा है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,संजय कुमार)

अगर यूएस-चीन प्रदूषण घटा सकते हैं तो हम क्यों नहीं?

इस साल प्रदूषण के आंकड़े भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं। एक्यूआई.इन के रियल टाइम आंकड़ों के मुताबिक दिवाली और उसके अगले दिन दुनिया के 100 किया जाता है। दुनिया के सबसे प्रदूषित देशों की सूची में वह नीचे गिरकर 20वें स्थान पर आ गया है। भारत की समस्या यह है कि यहां वायु गुणवत्ता के प्रबंधन



सबसे प्रदूषित शहरों में से 99 भारत में थे। इस सूची में पाकिस्तान का लाहौर ही एकमात्र गैर-भारतीय शहर था। सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से अधिकांश उत्तर भारत के मैदानी इलाकों के थे, लेकिन इस क्षेत्र से बाहर भी अनेक शहरों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक था। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और तेलंगाना में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खतरनाक हो गई थी। इन सबके लिए तो पंजाब और हरियाणा के खेतों में जलाई जाने वाली पराली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता! सर्दियों में तो प्रदूषण का स्तर चिंताजनक हो ही जाता है, पर अब ऐसे आंकड़े भी सामने आ रहे हैं, जो बताते हैं कि देशभर के शहरों में हवा की गुणवत्ता सामान्य दिनों में भी खराब रहती है। बेंगलुरु जैसी कथित ग्रीन-सिटी हो या मुंबई जैसे तटीय महानगर, यहां भी एक्यूआई 100 से 200 के बीच बना रहता है और कई बार इससे भी ऊपर चला जाता है। सच कहें तो प्रदूषण बढ़ने के लिए मौसम, पराली और पटाखों को दोष देना एक सरलीकृत नजरिया है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, निर्माण-गतिविधियां और ताप विद्युत संयंत्र भी खासा प्रदूषण करते हैं। लेकिन अब तक किसी सरकार ने इन समस्याओं से निपटने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति क्यों नहीं दिखाई है? अगर पश्चिम के औद्योगीकृत देश और चीन अपनी वायु गुणवत्ता सुधार सकते हैं, तो भारत को भी ऐसी ही तकनीकें अपनाने से कौन रोक रहा है? 2008 में चीन में आयोजित ओलिंपिक खेलों के दौरान वहां की खराब वायु गुणवत्ता को लेकर जब चिंताएं बढ़ीं, तो सरकार ने तत्काल प्रदूषण नियंत्रण के सख्त उपाय लागू किए। इसके परिणामस्वरूप एक्यूआई में करीब 50 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद से बीजिंग ने धुंध और प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक उपाय लागू किए हैं। आज चीन का औसत एक्यूआई 89 दर्ज और नियंत्रण की जिम्मेदारी कई संस्थाओं के बीच बंटी है। इनमें पर्यावरण मंत्रालय, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग, नगर निकाय और कृषि, परिवहन, उद्योग, ऊर्जा से जुड़े विभिन्न विभाग शामिल हैं। इनमें से किसी में सख्त और दीर्घकालिक उपायों की रूपरेखा तैयार करने और उन्हें लागू करने की इच्छाशक्ति नहीं दिखलाई देती। जबकि अमेरिका, ब्रिटेन और यहां तक कि चीन जैसे देशों में मजबूत राष्ट्रीय कानूनों और नियामक संस्थाओं ने ही दशकों तक लगातार प्रगति का रास्ता तैयार किया है। हम ग्रीन पटाखों की बात करते हैं, पराली जलाने वाले किसानों को दंडित करते हैं, रेन-सीडिंग कराने, निर्माण गतिविधियां रोकने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान लागू करने जैसे उपाय अपनाते हैं। लेकिन इस दौरान इसकी भी परवाह नहीं की जाती कि निर्माण रुकने से गरीब मजदूरों की रोजी-रोटी छिन जाती है। 10 साल से अधिक पुराने वाहनों पर एकमुश्त प्रतिबंध लगा दिया जाता है, भले ही वे प्रदूषण न फैलाते हों। बहरहाल, अब समय आ गया है कि प्रदूषण को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया जाए और उससे निपटने के लिए तत्परता दिखाई जाए। बेशक, स्वच्छ हवा सुनिश्चित करने वाली तकनीक महंगी है और केंद्र तथा राज्य सरकारों को प्रभावी निगरानी व्यवस्था भी बनानी होगी, ताकि इन तकनीकों का सही ढंग से इस्तेमाल हो। लेकिन क्या सरकारों के लिए अपने नागरिकों का स्वास्थ्य इतना महत्वपूर्ण नहीं है कि वह इस दिशा में कदम उठाए? अब तक किसी सरकार ने प्रदूषण से निपटने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति नहीं दिखाई। अगर पश्चिम के देश और चीन अपनी वायु गुणवत्ता सुधार सकते हैं, तो भारत को ऐसी ही तकनीकें अपनाने से कौन रोक रहा है? (ये लेखिका के अपने विचार हैं,आरती जेरथ)

खेलों में बढ़ती सियासत से किसे फायदा है?

भारत और पाकिस्तान के बीच अंडर-19 एशिया कप फाइनल के बेहद रोमांचक मुकाबले में जीत के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने जोशोखरोश से जश्न मनाया और दोनों टीमों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। अब इस पर चर्चा छिड़ गई है कि क्या भारतीय खिलाड़ियों को अपना जश्न कुछ संयमित रखना चाहिए था? या फिर यह सब अब खेल का सामान्य हिस्सा बन चुका है? इस सवाल का जवाब देने के लिए हमें हाल के समय में भारत-पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता में हुई घटनाओं पर नजर डालनी होगी। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में जब भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानियों से हाथ मिलाने से इनकार किया था, तो वह मौन विरोध का एक तरीका था। लेकिन इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी की अगुआई में पाकिस्तान ने इस प्रतिद्वंद्विता को राजनीतिक रंग देने के सिलसिले को एक बिल्कुल अलग स्तर पर पहुंचा दिया। नकवी- जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं- ने भारत के हाथों लगातार छठी हार के बाद '6-0' का ट्वीट किया। उनका इशारा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई सैन्य कार्रवाई की ओर था। पाकिस्तानी खिलाड़ियों साहिबजादा फरहान और हारिस रऊफ ने इस सिलसिले को आगे बढ़ाया। अर्धशतक बनाने के बाद फरहान ने बंदूक चलाने का जश्न मनाया, जबकि रऊफ ने लड़ाकू विमान के गिरने वाली मुद्रा बनाकर भारतीय प्रशंसकों को उकसाया। बात तब और बिगड़ गई, जब भारतीयों ने मोहसिन नकवी के हाथों एशिया कप की ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया और इसके बाद नकवी अपने साथ ट्रॉफी लेकर चलते बने। एक जिम्मेदार मंत्री की ऐसी हरकतों का असर भी हुआ। पाकिस्तान के युवा फुटबॉल खिलाड़ी- जिनमें 16 साल से कम उम्र के किशोर भी शामिल थे- भी ऐसे जश्न मनाने लगे, जिनमें तीखे राजनीतिक संकेत छिपे थे। साफ है कि स्कूल में पढ़ने



वाले इन युवा खिलाड़ियों के मन में भी जहर घोला जा चुका था और हालात ऐसे मोड़ पर पहुंच रहे थे, जहां से वापसी मुश्किल थी। इन्हीं तमाम घटनाओं की पृष्ठभूमि में हमें ओमान में भारतीय खिलाड़ियों के जश्न को समझने की जरूरत है। कुछ दिन पहले मुझसे बेबाक बातचीत में यशवीर गौड़- जिन्होंने मैच खत्म होने पर काफी आक्रामक प्रतिक्रिया दी थी- ने बताया था कि ग्रुप मुकाबले के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने उन्हें अपशब्द कहे थे। वह मुकाबला पाकिस्तान ने जीत लिया था। यशवीर ने कहा, 'शुरुआत उन्होंने ही की थी। मैंने तो उसका जवाब भर दिया था, क्योंकि यह जीत मेरे लिए बेहद भावुक कर देने वाली थी।' फाइनल के सितारे काव्या पटेल ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा, 'मैदान पर हमारे खिलाड़ियों से बहुत कुछ कहा गया था और हमारा जोशीला जश्न उन्हीं तमाम बातों का नतीजा था।' रविवार को दोहा में राइजिंग स्टार्स क्रिकेट प्रतियोगिता के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच एक और मुकाबला खेला जाना है। ऐसे में साफ है कि क्रिकेट के मैदान पर उग्र-राष्ट्रवाद का यह सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। इसमें किसी का भी पक्ष लिए बिना मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि बीते कुछ सालों में भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में भारत को स्पष्ट बढ़त मिली हुई है। ऐसे में हमारे खिलाड़ियों को सुनिश्चित करना होगा कि उनका ध्यान खेल से न भटके। जीत के बाद इस तरह के जश्न भले ही जायज लगें, लेकिन हार के बाद हालात बिगड़ सकते हैं और लोग खिलाड़ियों पर हद से ज्यादा आक्रामक व्यवहार करने के आरोप लगाने लगते हैं। यह बहुत ही बारीक रेखा है। आखिरकार, पेशेवर खेलों में पूरी बात इसी पर आकर टिकती है कि दबाव को कौन बेहतर ढंग से संभालता है और अंत में मुकाबला जीतने में सफल होता है। यशवीर ने अगर प्रतिक्रिया न भी दी होती, तब भी मैदान पर किए गए प्रदर्शन से संदेश साफ था। फाइनल में भारत ही बेहतर टीम साबित हुआ था। उसने दबाव के क्षणों में अपना संयम बनाए रखा। जीत का स्वाद मीठा था और पाकिस्तान एक बार फिर हार चुका था। वैसे में जोशीला जश्न- जो स्पष्ट रूप से बेहद तनावपूर्ण और भावनाओं से भरे मुकाबले का नतीजा था- जीत के आनंद में बस एक अतिरिक्त रंग भरने जैसा था। मेरा मानना है कि दोनों पक्षों के लिए एक सीमा तय होनी चाहिए। संयम और शांति बनाए रखने की जरूरत है। आखिरकार, यह खेल है और अपनी बात साबित करने के लिए मर्यादा लांघना जरूरी नहीं है। अतीत में सचिन तेंदुलकर को सेंचुरियन में पाकिस्तान के खिलाफ एक शानदार पारी खेलने के लिए आक्रामक प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने अपने बल्ले से ही श्रेष्ठता जता दी थी। यह समझा जा सकता है कि तब से लेकर अब तक वक्त बदल गया है और पाकिस्तानी राजनीतिक वर्ग ने ही हमें उकसाने की शुरुआत की है, लेकिन मैं चाहूंगा कि भारतीय खिलाड़ी मैदान के बाहर नहीं, बल्कि मैदान पर ही पाकिस्तान को हराते रहें। खेल में असली जीत इसी तरह हासिल होती है और अपनी बात भी इसी तरह साबित की जाती है। यशवीर, काव्या या लक्ष्य अपने जश्न के दम पर बेहतर क्रिकेटर नहीं बन जाएंगे। वे मैदान पर अपने प्रदर्शन से ही सितारे बनेंगे और आने वाले मैचों में इसी पर ध्यान केंद्रित रहना चाहिए। बेशक, ऐसे जश्न सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर सकते हैं और प्रसारण के लिहाज से भी आकर्षक हो सकते हैं, लेकिन खिलाड़ियों को इनसे कोई खास फायदा नहीं होता। एक हद के बाद तो ये अनावश्यक रूप से ध्यान भटकाने लगते हैं। खेल चाहे कोई भी हो, वह आपको संयम और विपरीत परिस्थितियों में डटे रहने का सबक ही सिखाता है। यह हमें दबाव से निपटने और जीतने का महत्व बताता है। हाल के दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने यही करके दिखाया है और पाकिस्तान के लिए इससे बेहतर संदेश कोई नहीं हो सकता। आने वाले महीनों में भी यही चलन होना चाहिए कि मैदान के बाहर की बातों के बजाय मैदान पर किए प्रदर्शन से ही जवाब दिया जाए। जीत के आनंद की अभिव्यक्ति यशवीर ने अगर मैच के बाद आक्रामक प्रतिक्रिया न भी दी होती, तब भी मैदान पर किए प्रदर्शन से संदेश साफ था। फाइनल में भारत ही बेहतर टीम साबित हुआ था। उसने दबाव के क्षणों में अपना संयम बनाए रखा। जीत का स्वाद मीठा था। वैसे में जोशीला जश्न जीत के आनंद में बस एक अतिरिक्त रंग भरने जैसा था। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

असामान्य तरीके से भी सफलता मिल सकती है

जब परिस्थितियां मुश्किल हों तो अधिकतर लोग इस उम्मीद में जाने-पहचाने रास्ते अपनाते हैं कि हालात सुधर जाएंगे। लेकिन कुछ लोगों में परंपरागत तरीकों से परे सोचने की क्षमता होती है। इसके कुछ उदाहरण यहां पेश हैं। इस साल महाराष्ट्र के किसान अपर्याप्त बारिश और मिट्टी में कम नमी के कारण रबी की बुवाई शुरू करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे चना, ज्वार जैसी कम पानी की फसलों का रुख कर रहे हैं, जबकि गेहूं की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई है। ऐसे मुश्किल हालात में लातूर जिले के बनेगांव के किसान चंद्रकांत परिहार ने अलग रास्ता चुना। 18 महीने पहले उन्होंने ताइवान पिंक अमरूद के लगभग 2200 पौधे लगाए। ड्रिप इरिगेशन और ऑर्गेनिक फार्मिंग के जरिए उन्होंने सावधानी से पानी और न्यूट्रिशन का प्रबंधन किया और मैनेजमेंट और री-साइकिलिंग क्षेत्र में कार्यरत हैदराबाद की एक सर्कुलर इकोनॉमी कंपनी में निवेश किया है। जब निवेशक बाजार के उतार-चढ़ाव और पारंपरिक निवेश विकल्पों में शेयरों की गिरती कीमतों से चिंतित हैं, तब तेंदुलकर ने कचरे को मूल्यवान संसाधन मानने वाले बिजनेस में निवेश किया है। उनका निवेश महज फाइनेंशियल रिटर्न के लिए नहीं, बल्कि उपभोग, कचरे और पर्यावरण को अलग नजरिए से देखने का समर्थन भी है। कंपनी की तकनीक का मकसद वेस्ट कलेक्शन, रिकवरी और री-साइकिलिंग को अधिक व्यवस्थित बनाना है, ताकि लोग यूज्ड पैकेजिंग को फेंकने के बजाय लौटाने के लिए प्रोत्साहित हों। तेंदुलकर के जुड़ाव से ऐसे क्षेत्र को पहचान मिलेगी, जहां आज बड़ी जन भागीदारी की निगल लिया, जो उसके दाएं ब्रोंकियल-ट्री में फंस गया और उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। डॉक्टरों ने पहले ब्रोंकोस्कोपी फोर्सेप्स से चुंबक ने सफलतापूर्वक चुंबक निकाल लिया, जिससे दोनों फेफड़ों में वेंटिलेशन बहाल हो गया। बच्ची को पीडियाट्रिक आईसीयू में भेजा गया और धीरे-धीरे वह रिकवर



कम बारिश के बावजूद अपना बगीचा बचा लिया। नतीजतन, इस पैदावार से उन्होंने करीब 12 लाख रुपए कमाए। इस उपलब्धि ने महाराष्ट्र के राज्यपाल का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने फोन कर परिहार को बधाई दी। परिहार ने न सिर्फ सूखे को हराया, बल्कि उससे निपटने का रास्ता खोजा। यह महत्वपूर्ण अंतर है। जब दूसरे निवेशक अनिश्चितता का माहौल देख रहे हैं तो क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर के निवेश में अवसर को ताड़ने की ऐसी ही क्षमता नजर आई है। उन्होंने वेस्ट जरूरत है। इसमें सबक यह नहीं कि शेयर बाजार गिरने पर हर निवेशक री-साइकिलिंग बिजनेस में पैसा लगाए। बल्कि यह है कि जहां सब लोगों की नजरें होती हैं, अवसर अकसर उन जगहों के बाहर मिलते हैं। सफल निवेश के लिए भी क्रिकेट की तरह हालात को समझना जरूरी है, न कि भेड़चाल चलना। तीसरा उदाहरण कोलकाता के एक अस्पताल का है। वहां एक डॉक्टर ने दिखाया कि अपारंपरिक सोच कभी-कभी किसी की जान बचा सकती है। छह साल की एक बच्ची ने खिलौने का चुंबक निकालने की कोशिश की, लेकिन वह बुरी तरह फंसा था। तभी एक डॉक्टर के सुझाव ने ट्रीटमेंट का तरीका बदल दिया- क्यों न चुंबक निकालने के लिए चुंबक का ही इस्तेमाल करें? ईएनटी प्रोफेसर दिप्तांशु मुखोपाध्याय चुंबक खरीदने गए और उपयुक्त अटैचमेंट बनवाने के लिए लेथ मशीन ऑपरेटर से संपर्क किया। डॉक्टर के बताए अनुसार तीन टुकड़ों में ज्यादा ताकतवर चुंबक बनवाया गया। खास डिजाइन वाले मैग्नेटिक अटैचमेंट को ब्रोंकोस्कोपी इंस्ट्रूमेंट में लगाया गया। टीम हो रही है। इन तीनों कहानियों की खास बात सिर्फ उनका नतीजा नहीं, बल्कि मुश्किल हालात में सहज प्रतिक्रियाओं पर सवाल उठाने की तीन लोगों की इच्छाशक्ति है। किसान ने खेती नहीं छोड़ी, क्रिकेटर ने पारंपरिक निवेश विकल्पों से परे देखा और डॉक्टर ने सामान्य मेडिकल इंस्ट्रूमेंट नाकाम होने पर हार नहीं मानी। फंडा यह है कि हालात मुश्किल हों तो उसी काम पर ज्यादा मेहनत न करें, जो सभी कर रहे हैं। कभी-कभी अलग रास्ता चुनना मुश्किल वक्त से बाहर निकलने में मददगार होता है। एन. रघुरामन

दाऊद इब्राहीम के पुश्तैनी घर पर चला बुलडोजर,दीवारें-छत गिरने का खतरा था-बीएमसी

मुंबई। मुंबई के भिंडी बाजार में दाऊद इब्राहीम के पुराने पुश्तैनी



घर को बीएमसी ने बुलडोजर से गिरा गया था। बीएमसी ने बताया कि पाकमोडिया स्ट्रीट स्थित मुसफिखाना बिल्डिंग जर्जर हो चुकी थी। इमारत को बीएमसी ने सी-1 श्रेणी में रखा था। दीवारों और छत के गिरने का खतरा होने के कारण इसे गिराया जा रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। कार्रवाई गुरुवार सुबह से शुरू की गई। यह इमारत दाऊद इब्राहीम का पुस्तैनी घर है। मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने साफ किया कि यह इमारत का जर्जर हिस्सा गिराया जा रहा है। पूरी मस्जिद को नहीं गिराया जाएगा। दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े मामले में भारत में वांटेड हैं। धमाकों के बाद से वह देश छोड़कर भाग गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार दाऊद पाकिस्तान में हैं। एनआईए सूत्रों के मुताबिक दाऊद इब्राहिम है। उसने जाकिर नाइक के इस्लामिक रिसर्च फाउंडेशन (आईआरएफ) को बड़ा डोनेशन दिया था। इसकी पुष्टि नाइक के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर आमिर गजदर ने भी की थी। आमिर ने बताया था कि दाऊद ने एक मीडिएटर सुल्तान अहमद के जरिए यह डोनेशन दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को शक है कि गजदर ने नाइक के एनजीओ के लिए 200 करोड़ से ज्यादा डोनेशन जमा किया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, दाऊद का भाई इकबाल कासकर भारत में उसका सारा काम देख रहा है।

वो दाऊद के राइट हैंड छोटा शकील के संपर्क में था। इकबाल ठाणे के बिल्डर सुरेश देवीचंद मेहता की शिकायत के बाद जेल में है और उसके साथ उसके दो गुर्गों मुमताज शेख और इसरार अली को भी पहले ठाणे पुलिस और फिर ईडी ने अरेस्ट किया है।

रिपोर्ट- इस्लाम 2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म होगा,अमेरिका में दोगुनी हो जाएगी- भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका की प्यू रिसर्च सेंटर की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की



आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73फीसदी बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी। 2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे। इस दौरान अमेरिका में हिंदुओं की आबादी दोगुनी हो जाएगी। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशक में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है।इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। प्यू के अनुमान के मुताबिक, 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है। वहीं, ईसाइयों की संख्या 3 अरब से कम रहने का अनुमान है। अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है। प्यू का अनुमान है कि मौजूदा रुझान जारी रहने पर 2070 तक पाकिस्तान दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाएगा। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा। फिलहाल इंडोनेशिया में दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम रहते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, दुनिया के कई देशों में ऐसे लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो खुद को नास्तिक, अज्ञेयवादी या किसी धर्म से जुड़ा हुआ नहीं मानते।

ऐसे लोगों को 'नन्स' कहा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन को छोड़कर बाकी दुनिया में ऐसे लोगों की संख्या 2070 तक 18 करोड़ से ज्यादा बढ़ सकती है। चीन में पहले से ही ऐसे लोगों की बड़ी आबादी है, लेकिन वहां कुल जनसंख्या में गिरावट का अनुमान है। प्यू के मुताबिक, चेक गणराज्य, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, उरुग्वे और वियतनाम समेत 10 देशों में ऐसे लोग पहले से ही बहुसंख्यक हैं। अनुमान है कि 2070 तक दक्षिण कोरिया, फ्रांस और ब्रिटेन भी इस सूची में शामिल हो जाएंगे।

तूफान अकवान अनुमान से पहले पहुंच रहा,बीते दिन आंध्र-ओडिशा से टकराया,110किमी/घंटा रफ्तार- ओडिशा में 50 हजार लोग शिफ्ट

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर।5. तेलंगानाः तेलंगाना



में 20 और 21 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। खासकर राज्य के पूर्वी हिस्सों में तेज बारिश का अनुमान है। निचले इलाकों में पानी भरने और स्थानीय स्तर पर बाढ़ की स्थिति बन सकती है। प्रशासन को सतर्क रहने और बारिश से प्रभावित होने वाले इलाकों पर नजर रखने को कहा गया है। 6. पश्चिम बंगालः पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्सों में 19 और 20 नवंबर को बारिश हो सकती है। दक्षिण 24 परगना, पूर्वी मिदनापुर, पश्चिमी मिदनापुर और झारग्राम के कुछ इलाकों में भारी बारिश की आशंका है। 7. झारखंडः झारखंड के कुछ इलाकों में 20 और 21 नवंबर को बारिश होने का अनुमान है। कुछ जगहों पर भारी बारिश भी हो सकती है। स्थानीय प्रशासन को मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार सतर्क रहने को कहा गया है। 8. छत्तीसगढ़ः राज्य में चक्रवात सीधे नहीं टकराएगा, लेकिन छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में 20 और 21 नवंबर को बारिश हो सकती है। दक्षिणी और उत्तरी जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान है। 9. बिहारः चक्रवात का असर बिहार तक रहेगा। गया, नवादा समेत 5 जिलों में 20 और 21 नवंबर को बारिश की संभावना है। 10. मध्य प्रदेशः राज्य के पूर्वी हिस्से में चक्रवात का असर रह सकता है। तूफान के चलते अगले दो दिन बारिश और आंधी की आशंका है। ईरान ने राक्षस के नाम पर अकवान रखा नामः-बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में उठने वाले चक्रवातों के नाम रखने की शुरुआत साल 2000 में हुई थी। इसके लिए भारत समेत कई देशों ने मिलकर एक सूची तैयार की। साल 2018 में इस समूह में ईरान, कतर, सऊदी अरब, यूएई और यमन भी शामिल हुए। इन देशों की बारी के हिसाब से चक्रवातों के नाम रखे जाते हैं। नाम तय करते समय ध्यान रखा जाता है कि वे किसी राजनीति, धर्म, संस्कृति या व्यक्ति से जुड़े न हों। ईरान ने इस बार चक्रवात का नाम अकवान रखा है। अकवान ईरान की पौराणिक कथाओं में एक राक्षस का नाम है। इसका जिक्र फारस के मशहूर महाकाव्य 'शाहनामा' में मिलता है। कहानी के मुताबिक, अकवान एक ताकतवर दानव था, जिसका मुकाबला योद्धा रुस्तम से हुआ था।

हसीना की वापसी से पहले बांग्लादेश में सरकार सख्त,अवामी लीग के नेताओं पर कार्रवाई की तैयारी

ढाका। रिपोर्ट में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की तैनाती



का भी जिक्र है। इसके मुताबिक, 10 नवंबर से सभी संभागीय शहरों और महत्वपूर्ण जिलों में बीजीबी तैनात करने की बात कही गई है। इसके बाद 20 नवंबर से देश के सभी जिलों में इसकी तैनाती का प्लान है। इसके अलावा हर जिले और बड़े शहर के लिए अलग सुरक्षा योजना बनाने को कहा गया है। इसमें उन इलाकों की पहचान करने की बात है, जहां हिंसा या तनाव फैल सकता है। सरकारी इमारतों और दूसरी महत्वपूर्ण जगहों की सुरक्षा बढ़ाने की भी सिफारिश की गई है। रिपोर्ट में आवामी लीग के प्रतिबंधित छात्र संगठन छात्र लीग का भी जिक्र है। इसमें कहा गया है कि यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्र लीग के नेताओं की मौजूदगी को देखते हुए वहां निगरानी बढ़ाई जाए। औद्योगिक इलाकों में मजदूरों के विरोध-प्रदर्शन और तोड़फोड़ की आशंका को देखते हुए भी सुरक्षा बढ़ाने की बात कही गई है। इसके लिए मीरपुर, पल्लबी, कोनाबाड़ी, कालीआकोइर, काशिमपुर, भोगरा बाईपास, आशुलिया और सावर जैसे इलाकों का नाम दिया गया है। 79 साल की शेख हसीना जुलाई से कई बार कह चुकी हैं कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उन्होंने कहा है कि मौत की सजा सुनाए जाने के बावजूद वे कानूनी लड़ाई लड़ेंगी। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने नवंबर 2025 में हसीना को प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मामले में दोषी ठहराया था।कोर्ट ने उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों के लिए उनकी गैरमौजूदगी में मौत की सजा सुनाई थी। हसीना ने इन आरोपों और मुकदमे को मानने से इनकार किया है।

वीरप्पा मोइली बोले-कांग्रेस नेताओं ने मोदी की जांच रुकवाई थी,नेताओं के आगे मनमोहन की नहीं चला

नयी दिल्ली। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय



कानून मंत्री वीरप्पा मोइली ने कांग्रेस नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मोइली ने दावा किया कि कांग्रेस की सरकार के दौरान उस गुजरात के सीएम और अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जांच रोक दी गई थी। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की वजह से नहीं, बल्कि पार्टी के दूसरे नेताओं के कहने पर हुआ। पार्टी अब इस फैसले की कीमत चुका रही है। मोइली ने जिस मामले में जांच रोकी गई उसका जिक्र नहीं किया, न ही जांच रुकवाने वाले नेताओं के नाम बताए। यह जरूर बताया कि यह सब तब हुआ था, जब वह केंद्रीय कानून मंत्री थे। मोइली के बयान पर भाजपा ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़ी जांच का भी जिक्र किया। मोइली ने दावा किया कि अमित शाह के जेल जाने के बाद नरेंद्र मोदी की बारी थी। उन्होंने कहा कि मोदी को भी जेल जाना पड़ता और उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया जाता। मोइली ने कहाः-'कोर्ट ने शाह को उनके गृह राज्य से निकाल दिया था। केस भी दूसरे राज्य में ट्रांसफर कर दिया था।' जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में कारोबार शुरू करने वाली कंपनियों को स्थानीय युवाओं को रोजगार देना होगा। उन्होंने साफ कहा कि उनकी सरकार बाहर के लोगों को नौकरी पर रखने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगी।

आंध्र प्रदेश में नक्सालाइड एरिआ में 670 बैरल ग्रेनेड लॉन्चर गोले, विस्फोटक बरामद

नयी दिल्ली/छत्तीसगढ़। आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी, माओवादी कमांडर माड़वी हिडमा से जुड़े ठिकाने से विस्फोटकों का विशाल डंप बरामद। 670 जिंदा ग्रेनेड लॉन्चर शेल के साथ डेटोनेटर, गन पाउडर, फ्यूज और मेडिकल सामग्री भी जब्त। सुकमा। माओवादी कमांडर माड़वी हिडमा के मारे जाने के बाद भी उसके नेटवर्क से जुड़े खतरनाक ठिकानों का खुलासा लगातार हो रहा है। छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की सीमा पर सुरक्षा बलों ने एक ऐसे विस्फोटक डंप का पता लगाया है, जिसने सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया है। आंध्र प्रदेश पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की संयुक्त टीम ने जंगल में छिपाकर रखे गए माओवादियों के भारी विस्फोटक जखीरे को बरामद किया है। इस डंप से 670 जिंदा बीजीएल शेल मिले हैं। इनके अलावा डेटोनेटर, गन पाउडर, फ्यूज और कई अन्य विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई है। पुलिस के मुताबिक, बरामद विस्फोटक सामग्री माओवादी कमांडर माड़वी हिडमा से जुड़ी हुई है। शुरुआती खुफिया जानकारी में सामने आया था कि हिडमा ने इस इलाके में बड़ी मात्रा में विस्फोटक



सामग्री छिपाकर रखी थी। हिडमा के मारे जाने के बाद से ही सुरक्षा बल उसके पुराने ठिकानों और माओवादी संगठन के छिपाए गए हथियारों एवं विस्फोटकों की तलाश में जुटे हुए थे। इसी अभियान के दौरान सुरक्षा एजेंसियों को यह बड़ी सफलता हाथ लगी है। जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर माओवादियों द्वारा भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री छिपाए जाने की सूचना सुरक्षा एजेंसियों को मिली थी। इनपुट को गंभीरता से लेते हुए पोलावरम जिले के एसपी के. चक्रवर्ती के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इसके बाद आंध्र प्रदेश पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने संयुक्त रूप से अंतरराज्यीय अभियान शुरू किया। जवानों ने संदिग्ध इलाके में सघन तलाशी अभियान चलाया। इसी दौरान जंगल में छिपाकर रखा गया माओवादियों का विस्फोटक डंप बरामद हुआ। तलाशी में इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके को खंगालना शुरू कर दिया। इस कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाली बरामदगी 670 जिंदा बीजीएल शेल की है। बीजीएल यानी बैरल ग्रेनेड लॉन्चर से दागे जाने वाले विस्फोटक गोले होते हैं। इतनी बड़ी संख्या में जिंदा शेल मिलने से सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। इनके अलावा डंप से कई अन्य विस्फोटक और हथियारों से जुड़ी सामग्री भी बरामद की गई है। बरामद सामग्री में 42 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 250 ग्राम गन पाउडर, कॉर्डेक्स के 25 पीस, 12 बूस्टर या एक्सप्लोसिव रिंग, 7 जिंदा भरमार कारतूस, 7.62 एमएम के 16 खाली कारतूस और करीब 6 मीटर फ्यूज शामिल हैं।

ट्रम्प अमेरिकी उपराष्ट्रपति से नाराज,रूबियो को नए राष्ट्रपति के लिए समर्थन दिया,वेंस ने ईरान जंग को चुनाव में हार की वजह बताया था

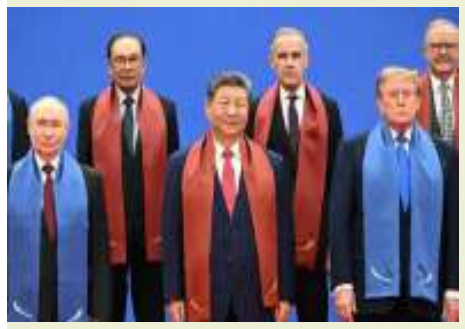
वॉशिंगटन डीसी।फॉक्स न्यूज से बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैंने अभी कोई फैसला नहीं किया है।



अगले साल इस बारे में तय करेंगे।' वेंस के करीबियों का कहना है कि वे सच में चुनाव लड़ने को लेकर असमंजस में हैं। उनका चौथा बच्चा इसी साल जुलाई में पैदा हुआ है। ऐसे में वे अपने परिवार को भी समय देना चाहते हैं। वेंस चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक हालात पर भी काफी नजर रखते हैं। उनके करीबियों के मुताबिक अगर उन्हें लगा कि चुनाव जीतने का रास्ता मुश्किल है, तो वे मैदान में उतरने से पीछे भी हट सकते हैं। रुबियो ने कहा है कि वे 2028 के चुनाव में वेंस का समर्थन करेंगे। उन्होंने उन खबरों को भी खारिज किया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए सरकार छोड़ सकते हैं। हालांकि, रुबियो के कुछ करीबियों का कहना है कि अगर ट्रम्प उन्हें चुनाव लड़ने के लिए कहते हैं, तो वे इसके लिए तैयार हो सकते हैं। ट्रम्प भी कई मौकों पर रुबियो की तारीफ कर चुके हैं। फिलीपींस की राजधानी मनीला में आसियान सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहाः-'मार्को कितने लोकप्रिय हो रहे हैं हैं ना? क्या मार्को अच्छा काम कर रहे हैं? वे शानदार काम कर रहे हैं।' ट्रम्प के विदेश दौरे में रुबियो उनके साथ अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं वेंस अमेरिका में ही हैं। हाल ही में अमेरिका में कई तकनीकी सेवाएं ठप हो गई थीं। इसके बाद रुबियो ने लोगों को भरोसा दिलाया कि इन घटनाओं के पीछे साइबर हमले होने का कोई सबूत नहीं है। ईरान पर हमले को लेकर रुबियो ने ट्रम्प का खुलकर समर्थन किया है। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ईरान पर हमला करने का फैसला लेकर ट्रम्प ने सही कदम उठाया। रुबियो ने कहा कि देश के राष्ट्रपति को कभी-कभी ऐसे फैसले भी लेने पड़ते हैं, जो लोगों को पसंद नहीं आते। लेकिन अगर वे देश की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं, तो उन्हें लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए। वेंस और रुबियो के अलग-अलग रुख से रिपब्लिकन पार्टी में एक सवाल खड़ा हो गया है। 2028 में पार्टी का उम्मीदवार कौन होगा और क्या वह ट्रम्प की नीतियों को आगे बढ़ाएगा या उनसे अलग अपनी पहचान बनाएगा? न्यू जर्सी के पूर्व गवर्नर क्रिस क्रिस्टी का मानना है कि ट्रम्प की सरकार में काम कर चुके किसी भी नेता के लिए 2028 का चुनाव जीतना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में शामिल रहा कोई भी व्यक्ति 2028 का चुनाव नहीं जीत पाएगा। लोग उसे ट्रम्प के अगले चार साल के तौर पर देखेंगे। अमेरिकी जनता को यह बात पसंद नहीं आएगी। क्रिस्टी खुद भी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की बड़ी हार के बाद अब दूसरे नेता भी 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने की सोच रहे हैं। इनमें टेक्सास के सीनेटर टेड क्रूज और फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस के नाम शामिल हैं। ट्रम्प फिलहाल यह तय करने की जल्दी में नहीं हैं कि 2028 में वे किस नेता का समर्थन करेंगे। उन्हें अपने करीबियों के बीच मुकाबला पसंद है।

ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की मीटिंग,ईरान जंग समेत 5 मुद्दों पर चर्चा होगी,80 साल में पहली बार 3 सुपरपावर्स एक साथ

शेन्ज़ेन। उन्होंने ए.पी.ई.सी के साझा बयान का समर्थन भी किया। ट्रम्प ने कहा कि एआई



का बढ़ता इस्तेमाल अच्छी बात है। इस पर ऐसे नियम नहीं लगाने चाहिए, जिनसे इसका विकास रुक जाए। ट्रम्प चाहते हैं कि एआई कंपनियों पर सरकारी पाबंदियां कम रहें, ताकि यह तकनीक तेजी से आगे बढ़ सके। हालांकि, एआई के गलत इस्तेमाल और उससे होने वाले नुकसान को लेकर दुनिया भर में चिंता बढ़ रही है। ट्रम्प ने एआई को 'सुपर इंटेलिजेंस' (एसआई) नाम से भी बुलाया। ट्रम्प ने ए.पी.ई.सी समिट को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका सैकड़ों साल से प्रशांत क्षेत्र की बड़ी ताकत रहा है। वह आगे भी इस इलाके में शांति और विकास के लिए काम करता रहेगा। ट्रम्प ने कहा कि प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ अमेरिका के रिश्ते काफी अच्छे रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका पहले से ज्यादा तरक्की कर रहा है और दूसरे देशों के मुकाबले वहां महंगाई कम है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ए.पी.ई.सी देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए 2 करोड़ डॉलर खर्च करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि चीन एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ मिलकर काम करता रहेगा। ए.पी.ई.सी समिट में जिनपिंग ने कहा कि सभी देशों को मिलकर चुनौतियों का सामना करना चाहिए। इसके लिए आपसी सहयोग और कारोबार बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने की बात भी कही। जिनपिंग ने शेनझेन में एशिया-प्रशांत अध्ययन केंद्र बनाने का भी ऐलान किया। यहां इस क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर रिसर्च होगी। तीनों देशों में 2 और मुद्दों पर चर्चा होगीः- 1. अमेरिका-चीन के बीच व्यापार और टैरिफ- अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से व्यापार को लेकर तनाव है। दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर भारी टैक्स लगा चुके हैं। इसके अलावा चीन से अमेरिका आने वाले सामान, रेयर अर्थ और तकनीक को लेकर भी विवाद रहा है। ट्रम्प चाहते हैं कि चीन अमेरिका से ज्यादा सामान खरीदे और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते की शर्तों का पालन करे। वहीं, चीन अमेरिका से लगाए गए टैरिफ में राहत चाहता है। ऐसे में बैठक में दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते सुधारने पर चर्चा हो सकती है। 2. रूस का डिप्लोमैटिक बायकॉट खत्म करनाः- यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद से अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए हैं। पश्चिमी देशों ने पुतिन से दूरी भी बना ली थी। ऐसे में ट्रम्प और जिनपिंग के साथ एक ही मंच पर पुतिन की मौजूदगी रूस के लिए बड़ी कूटनीतिक जीत होगी। इससे दुनिया को संदेश जाएगा कि रूस अब भी वैश्विक राजनीति की बड़ी ताकत है और अमेरिका उससे बातचीत करने को तैयार है।

नासा का उपग्रह वॉयजर-1 एक प्रकाश दिन दूर पहुंचा,इंसानों की बनाई कोई चीज पहले इतनी दूर नहीं गई- 49 साल पहले लॉन्च हुआ था

वाशिंगटन डी.सी।जिसके लिए इन्हें मूल रूप से तैयार ही नहीं किया गया था। वॉयजर को चालू रखने के लिए नासा की नई तरकीबः-1. गैर-जरूरी उपकरण



बंद किए- बिजली बचाने के लिए नासा ने धीरे-धीरे वैज्ञानिक और दूसरे उपकरण बंद किए। वॉयजर-1 के 10 वैज्ञानिक उपकरणों में से अब सिर्फ 2 काम कर रहे हैं। ये चुंबकीय क्षेत्र और आवेशित कणों का अध्ययन करते हैं। 2. बिजली का बंटवारा बदला- ज्यादा बिजली खर्च करने वाले 3 उपकरण बंद किए। उनकी जगह 3 दूसरे उपकरण चालू किए, जो कुल मिलाकर कम बिजली खर्च करते हैं। इससे करीब 10 वॉट बिजली की बचत हुई। 3. ईंधन की पाइप को गर्म रखा-अंतरिक्ष में बहुत कम तापमान होता है। ऐसे में यान के ईंधन के जमने का खतरा रहता है। नासा ने नए उपकरणों को इस तरह चुना कि यान के अलग-अलग हिस्सों में गर्मी बनी रहे। 4. कंप्यूटर को गर्म रखा- यान के कंप्यूटरों को ठीक से काम करने के लिए एक निश्चित तापमान की जरूरत होती है। इंजीनियरों ने बिजली के इस्तेमाल में बदलाव करते समय यह ध्यान रखा कि कंप्यूटर ठंडे न पड़ें। 5. पुराने उपकरणों से नए काम लिए- वॉयजर को मूल रूप से बृहस्पति और शनि जैसे ग्रहों की खोज के लिए बनाया गया था। लेकिन अब इसका इस्तेमाल तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष का अध्ययन करने में हो रहा है। 6. रेडियो संपर्क बनाए रखने की व्यवस्था बचाई- यान का एंटीना धरती की तरफ होना जरूरी है, ताकि वह आंकड़े भेज सके और नासा से निर्देश प्राप्त कर सके। इसके लिए ईंधन और दिशा नियंत्रित करने वाली व्यवस्था को चालू रखना जरूरी है। वॉयजर-1 को चलाने के लिए नासा की करीब 10 लोगों की टीम काम कर रही है। मिशन वैज्ञानिक लिंडा स्पिलकर के मुताबिक, टीम में 25 साल का युवा कम्युनिकेशन इंजीनियर भी है। उनके माता-पिता का जन्म भी वॉयजर-1 के लॉन्च होने के बाद हुआ था। वहीं, टीम में एक ऐसा विशेषज्ञ भी है, जो 90 साल का हो चुका है और मिशन के शुरुआती दिनों से इससे जुड़ा रहा है। स्पिलकर भी 1977 में मिशन शुरू होने के समय से जुड़ी थीं। कुछ समय अलग रहने के बाद 2020 में फिर टीम में लौटीं। तब उन्हें लगा था कि यान कुछ साल ही और चल पाएगा, लेकिन यह आज भी काम कर रहा है। वॉयजर-1 की बिजली खत्म होने के कारण 2029 तक उससे संपर्क बंद हो सकता है। नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक, वॉयजर-2 से भी 2031 तक संपर्क टूटने की आशंका है। हाल ही में वॉयजर-1 से 48 घंटे तक संपर्क नहीं हो पाया था। बाद में यह फिर एक्टिव हुआ और संदेश भेजने लगा। इसमें खराबी आने पर नासा के वैज्ञानिक धरती से ही निर्देश भेजकर इसे ठीक करते हैं। 2024 में इसकी कंप्यूटर चिप खराब हो गई थी, जिससे यह गलत डेटा भेजने लगा। वैज्ञानिकों ने महीनों तक प्रोग्राम में बदलाव किया और अप्रैल 2024 में इसे ठीक कर लिया। यान की दूरी इतनी ज्यादा है कि निर्देश भेजने और जवाब मिलने में करीब 2 दिन लगते हैं।

सैफ अली को जान से मारने की धमकी,बाबा सिद्दीकी मर्डर में वांटेड जीशान के नाम से आया मैसेज, 2 साल पहले चाकू मारा गया था

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान को जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के वांटेड आरोपी जीशान अख्तर का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार, बताया जा रहा है कि जीशान अख्तर ने सैफ अली खान को धमकी दी है। हालांकि, पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है कि धमकी उसी ने दी है या किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका नाम इस्तेमाल किया। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि धमकी के पीछे किसी गैंग का हाथ है या कोई शख्स फर्जी पहचान से डर फैला रहा है। फिलहाल, धमकी देने वाले की आधिकारिक पहचान की पुष्टि नहीं हुई है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में वांटेड जीशान अख्तर को लेकर पुलिस पहले से सतर्क है। पिछले साल सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर चाकू से हमला हुआ था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, इससे पहले बॉलीवुड एक्टर तुषार कपूर और आयुष्मान खुराना को भी धमकियां मिल चुकी हैं। इन मामलों में पुलिस ने बेंगलुरु के रहने वाले 30 वर्षीय वैभव मिश्रा को गिरफ्तार किया था। वह आईआईटी ग्रेजुएट बताया गया है। जांच में सामने आया था कि वैभव का किसी गैंग से संबंध नहीं था। वह कथित तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का इस्तेमाल करके कलाकारों को धमकी दे रहा था। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जांच टीम इस बात की पड़ताल कर रही है कि क्या सैफ अली खान को मिली धमकी के पीछे सचमुच जीशान अख्तर का हाथ है। पुलिस को यह भी संदेह है कि कोई अज्ञात शख्स जांच एजेंसियों को परेशान करने और अभिनेताओं को डराने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) या फर्जी पहचान का सहारा ले रहा है। तकनीकी टीम धमकी भेजने के स्रोत और डिजिटल फुटप्रिंट को ट्रैक कर



रही है। सैफ अली खान को मिली धमकी में जिस जीशान अख्तर का नाम लिया जा रहा है, वह अक्टूबर 2024 में हुए एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, जीशान पर शूटरों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने और साजिश रचने का आरोप है। वह लंबे समय से फरार चल रहा है और सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश कर रही हैं। इसी वजह से पुलिस इस धमकी को गंभीरता से ले रही है और हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

सैफ अली खान की सुरक्षा को लेकर मुंबई पुलिस पहले से ही सतर्क रही है।

जनवरी 2025 में मुंबई के बांद्रा स्थित उनके आवास में एक हमलावर ने घुसकर उन पर चाकू से हमला कर दिया था, जिसके बाद उनकी सर्जरी करनी पड़ी थी।

सैफ अली खान पर 15 जनवरी को उनके घर सतगुरु शरण अपार्टमेंट में घुसकर चाकू से हमला हुआ था। एक्टर को पांच जगहों पर चाकू घोंपा गया था।

उनको पीठ, कलाई, गर्दन, कंधे और कोहनी पर चोटें लगी थीं।

उन्हें उनके दोस्त अफसर जैदी ने ऑटो रिक्शा में मुंबई के लीलावती अस्पताल पहुंचाया था। इलाज के बाद एक्टर को 21 जनवरी को डिस्चार्ज किया गया। पुलिस ने 2 दिन बाद बांग्लादेशी नागरिक शरीफुल इस्लाम को गिरफ्तार किया था।

बच्चा घर पर खूब बातें करता है लेकिन क्लास में एकदम चुप रहता है, ये डर है या झिझक, बच्चे का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं

जयपुर। सवाल- मेरा बेटा 8 साल का है। घर पर वह खूब चटर-पटर बातें करता है, दुनिया-जहान की कहानियां सुनाता रहता है। लेकिन हाल ही में मुझे यह जानकर बहुत शॉक लगा कि वह स्कूल में बात नहीं करता। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग में उसकी टीचर ने बताया कि वह क्लास में बहुत कम बोलता है। सवालों के जवाब भी नहीं देता। मैं ये बात बिल्कुल पचा नहीं पा रही। घर में जिस बच्चे को बोलना पड़ता है कि 'बेटा, थोड़ी देर चुप हो जा,' वही बच्चा स्कूल में जाकर इतना चुप हो जा रहा है। क्या हमसे कहीं कोई गलती हुई है? क्या बच्चा स्कूल में परेशान है? हम क्या करें, टीचर से क्या पूछें और बच्चे की हेल्प कैसे करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अमिता शृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी से सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। बच्चों का व्यवहार घर और स्कूल दोनों जगह अलग हो सकता है। कुछ बच्चे घर पर खूब बातें करते हैं, लेकिन स्कूल में चुप रहते हैं। वहीं कुछ बच्चे टीचर के सवाल का जवाब देने में हिचकते हैं। चाइल्ड साइकोलॉजी के मुताबिक, बच्चे का कम बोलना अपने आप में कोई समस्या नहीं है। यह समझना जरूरी है कि क्या बच्चा स्वभाव से शांत है या वह बोलना चाहता है, लेकिन किसी डर, झिझक या परेशानी के कारण अपनी बात नहीं रख पाता। इन दोनों स्थितियों में बच्चे की मदद करने का तरीका अलग होता है। बच्चे के चुप रहने की संभावित वजहें:-हर बच्चे का स्वभाव अलग होता है। कुछ बच्चे नई जगह पर जल्दी घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ को सहज होने में समय लगता है। घर पर वह क्लास में क्यों नहीं बोलता, बातचीत को सहज रखें। ध्यान रखें कि बच्चा खुद को दोषी न महसूस करे। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- बातचीत चिंता जताने की बजाय सहयोग की भावना से बात करें। आपका मकसद यह समझना होना चाहिए कि-बच्चा किन परिस्थितियों में सहज रहता है?



ऐसे समय करें, जब बच्चा सहज और तनावमुक्त हो। स्कूल से लौटते ही सवालों की झड़ी न लगाएं। खेलते समय, साथ खाना खाते हुए या सोने से पहले बातचीत कर सकते हैं। उसकी बात ध्यान से सुनें और बीच में टोकने या जज करने से बचें। बच्चे से पूछें ये सवाल:-क्लास में तुम्हें सबसे अच्छा क्या लगता है? तुम क्लास में किन बच्चों के साथ रहते हो? तुम्हें किन बच्चों के साथ बैठना अच्छा लगता है?

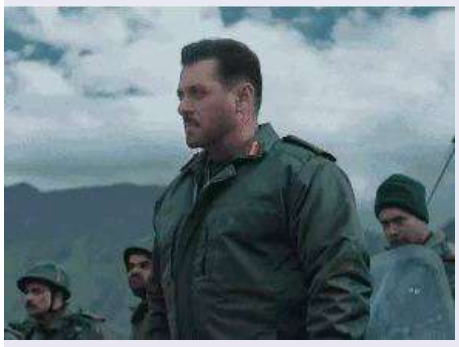


वह किन परिस्थितियों में चुप हो जाता है? टीचर से कहें कि आप घर और स्कूल में उसके व्यवहार के बीच का अंतर समझना चाहती हैं। यह भी समझने की कोशिश करें कि बच्चा सिर्फ पूरी क्लास के सामने बोलने में झिझकता है या टीचर से अकेले में बात करने में भी असहज महसूस करता है। इससे उसकी झिझक की वजह समझने में मदद मिलेगी। पीटीएम में टीचर से ये 8 सवाल जरूर पूछें। इन सवालों के जरिए बच्चे के व्यवहार और परेशानी को बेहतर तरीके से समझा जा सकता है। पीटीएम में टीचर से पूछें ये 8 सवाल:- क्या बच्चा दोस्तों से बात करता है? 2 क्या वह छोटे ग्रुप्स में बोल पाता है? क्या वह दूसरे बच्चों के सामने झिझकता है? क्या वह जवाब जानकर भी चुप रहता है? 5 क्या कोई बच्चा उसे चिढ़ाता है? 6 क्या वह अपनी जरूरतें बताता है? क्या किसी खास विषय में चुप रहता है? 8 क्या उसके व्यवहार में हाल में बदलाव आया है? समस्या को कैसे हल करें? अब तक आप बच्चे के कम बोलने की संभावित वजह समझ गई होंगी। अब उसकी झिझक दूर करने और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए टीचर के साथ मिलकर ये कोशिशें कर सकती हैं- अगर बच्चा पूरी क्लास के सामने बोलने से घबराता है तो टीचर शुरुआत में उसे छोटे समूह में बोलने के मौके दें। पहले उसे किसी एक दोस्त के साथ अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके बाद धीरे-धीरे ग्रुप में बोलने के मौके दें। टीचर से कहें कि बच्चे को अचानक पूरी क्लास के सामने जवाब देने के लिए मजबूर न करें। जवाब न दे पाने पर उसे डांटने या दूसरे बच्चों से तुलना करने से बचें। उसे सोचने और जवाब देने के लिए पर्याप्त समय दें। जिस विषय में बच्चा अच्छा प्रदर्शन करता है, उससे जुड़ी एक्टिविटीज में उसे हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करें। शुरुआत में हाथ उठाकर जवाब देने की बजाय लिखकर या किसी साथी की मदद से जवाब देने का विकल्प दें। बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए पेरेंट्स और टीचर मिलकर एक योजना बना सकते हैं। इसमें छोटे-छोटे लक्ष्य तय करें और हर कोशिश के लिए बच्चे की तारीफ करें। आत्मविश्वास बढ़ाने के कुछ और तरीके:- बच्चे का आत्मविश्वास कैसे बढ़ाएं? घर पर बोलने का अभ्यास कराएं। जवाब के लिए पर्याप्त समय दें। बच्चों का छोटा ग्रुप बनाएं। उस ग्रुप में बोलने का मौका दें। लिखकर जवाब देने का विकल्प दें। शुरू में सवाल आसान रखें। दूसरे बच्चों से तुलना न करें। कोशिश करने पर तारीफ करें। घर पर कैसे बढ़ाएं बच्चे का आत्मविश्वास? पेरेंट्स को घर में ऐसा माहौल बनाना चाहिए, जहां बच्चा बिना किसी डर या झिझक के अपनी बात कह सके। इसके लिए कुछ तरीके अपना सकते हैं- बच्चे के साथ रोल-प्ले करें। मान लीजिए, उसे टीचर से कोई सवाल पूछना है। ऐसे में आप टीचर की भूमिका निभाएं और बच्चे को सवाल पूछने का अभ्यास कराएं। धीरे-धीरे जब वह सहज हो जाए, तो भूमिकाएं बदल लें। उसे यह भी सिखाएं कि जरूरत पड़ने पर वह किस तरह मदद मांग सकता है। घर पर उसके दोस्तों को बुलाएं, साथ में बोर्ड गेम खेलें या छोटे समूह में उसकी पसंद के विषयों पर बातचीत करें। इससे उसे दूसरों के साथ घुलने-मिलने का मौका मिलेगा और अपनी बात कहने का अभ्यास होगा। बच्चे की चुप्पी को सिर्फ शर्मीलापन मान लेना सही नहीं है। कभी-कभी वह अपनी बात कहना चाहता है, लेकिन दूसरों की प्रतिक्रिया या गलत साबित होने का डर उसे रोकता है। सुरक्षा मिलने पर ही बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है। कब एक्सपर्ट की मदद लें? इन स्थितियों में चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट या स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट से मदद लेना चाहिए- अगर बच्चा स्कूल में टीचर या साथियों से बिल्कुल बात नहीं करता। बोलने की स्थिति में बहुत घबरा जाता है या रोने लगता है। अपनी जरूरतें भी नहीं बता पाता। इसके कारण उसकी पढ़ाई और दोस्ती प्रभावित हो रही हैं। कई हफ्तों तक प्रयास करने के बाद भी परेशानी कम नहीं हो रही।

ध्यान रखें- कुछ बच्चों में सामाजिक परिस्थितियों से जुड़ी खास एंग्जाइटी (सेलेक्टिव म्यूटिज्म) भी हो सकती है। इसका आकलन विशेषज्ञ करते हैं। अंतिम बात:- ऐसी स्थिति में पेरेंट्स का सहयोग सबसे जरूरी है। बच्चे को यह भरोसा होना चाहिए कि वह घर और स्कूल, दोनों जगह बिना किसी डर के अपनी बात कह सकता है और उसकी बात ध्यान से सुनी जाएगी। पेरेंट्स का धैर्य, टीचर का सहयोग और धीरे-धीरे मिलने वाले सकारात्मक अनुभव बच्चे की झिझक कम करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद कर सकते हैं। याद रखें, मकसद बच्चे के स्वभाव को बदलना नहीं, बल्कि उसकी परेशानी समझकर उसे अपनी गति से सहज होने और आगे बढ़ने का मौका देना है।

सलमान खान की मातृभूमि को सेंसर बोर्ड से मंजूरी,सीबीएफसी ने यूए-16प्लस सर्टिफिकेट दिया, फिल्म 4 दिसंबर को रिलीज होगी

मुंबई। सलमान खान की लंबे समय से अटकी फिल्म मातृभूमिः बिक्कुमल्ला संतोष बाबू 15 जून 2020 को पूर्वी लद्दाख की गलवान



घाटी में चीनी सैनिकों के साथ हुई हिंसक झड़प के दौरान शहीद हो गए थे। हालांकि, सलमान ने 6 नवंबर को ट्रेलर लॉन्च के दौरान साफ किया था कि यह फिल्म किसी एक सैनिक की बायोपिक नहीं है। उनका कहना था कि फिल्म युद्ध के दौरान सैनिकों और उनके परिवारों की मुश्किलों को दिखाती है। मार्च 2026 में मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलकर मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस कर दिया। इस बदलाव के बाद फिल्म के नाम को लेकर चर्चा शुरू हो गई थी। दरअसल, फिल्म का टीजर सामने आने के बाद चीन के सरकारी मीडिया संस्थान 'ग्लोबल टाइम्स' ने इस पर सवाल उठाए थे। रिपोर्ट में फिल्म पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर दिखाने और चीन विरोधी भावनाएं बढ़ाने का आरोप लगाया गया था। भारत और चीन के कूटनीतिक संबंधों को देखते हुए फिल्म का विषय भी संवेदनशील माना गया। ऐसी खबरें भी आई थीं कि चीन के साथ संबंध बनाए रखने के लिए सलमान खान ने सरकार के दबाव में स्क्रिप्ट बदली। हालांकि, फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर सलमान ने कहा था कि फिल्म को सेंसर बोर्ड और दूसरी एजेंसियों ने देखा है। किसी को भी इसमें कुछ गलत नहीं लगा। सलमान के मुताबिक, फिल्म बिना किसी कट के पास हुई है। उन्होंने इस दौरान संबंधित मंत्रालयों और सेंसर बोर्ड का धन्यवाद भी किया था। रिलीज डेट में देरी की सलमान ने बताईं दो वजहें-मातृभूमि की रिलीज डेट बदली गई है। पहले फिल्म को ईद 2026 यानी 17 अप्रैल को रिलीज करने की योजना थी। इसके बाद अगस्त और 20 नवंबर की तारीख सामने आई। बाद में मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया। सलमान ने फिल्म में देरी की दो वजहें बताई थीं। पहली वजह फिल्म के वीएफएक्स पर काम करना था। सलमान के मुताबिक, आजकल दर्शक और वीएफएक्स एक्सपर्ट हर सीन को बारीकी से देखते हैं। मेकर्स नहीं चाहते थे कि फिल्म के विजुअल इफेक्ट्स में कोई कमी रहे। इसलिए उन्होंने वीएफएक्स को बेहतर बनाने के लिए समय लिया। दूसरी वजह चित्रांगदा सिंह को लगी चोट थी। सलमान ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग 45-50 दिनों में पूरी करने की योजना थी, लेकिन चित्रांगदा को चोट लग गई। उन्हें ठीक होने और फिजियोथेरेपी कराने में समय लगा।

इससे शूटिंग का शेड्यूल प्रभावित हुआ। फिल्म में ये कलाकार भी नजर आएंगे:- सलमान और चित्रांगदा के अलावा अंकुर भाटिया, हीरा सोहल, दयाशंकर पांडे, जैसन थाम, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज, समर गिल, तेनजिन



बोथ, तान्या देसाई, जेन शॉ और अभिश्री सेन भी नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने तैयार किया है। इसे सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। सिनेमाघरों में फिल्म का वितरण जियो स्टूडियोज करेगा।

आयुष्मान बोले- सलमान से बेहतर कोई 'प्रेम' नहीं,सूरज बड़जात्या ने बताई सलमान-आयुष्मान में समानताएं, कहा-दोनों को अपने अंदाज में किरदार निभाने की आजादी देता हूं

मुंबई। डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की अपकमिंग फैमिली एंटरटेनर फिल्म ये प्रेम मोल लिया का ट्रेलर बुधवार को मुंबई में लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म की कास्ट के करीब 20 कलाकार मौजूद रहे। राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में आयुष्मान खुराना पहली बार सूरज बड़जात्या के चर्चित किरदार प्रेम के रूप में नजर आएंगे। इससे पहले सूरज बड़जात्या की कई फिल्मों में यह किरदार सलमान खान निभा चुके हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में दैनिक भास्कर के सवाल पर डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने बताया कि उन्होंने इस किरदार के लिए आयुष्मान को ही क्यों चुना। उनसे पूछा गया कि सलमान ने एक इंटरव्यू में कहा था कि असली प्रेम सूरज बड़जात्या हैं और उनकी फिल्मों के किरदारों में उनका अपना अंश होता है। ऐसे में आयुष्मान में आपने कौन से गुण देखे? सलमान और आयुष्मान में क्या समानताएं हैं? इस पर सूरज ने कहा, 'जब पहली बार यह कहानी मेरे पास आई, तो मेरे दिमाग में सिर्फ आयुष्मान का नाम आया। फिल्म में उनका किरदार अपने नजरिए और नरम आवाज में कुछ सवाल उठाता है। आयुष्मान की फिल्मोग्राफी देखें या उन्हें निजी तौर पर जानें, उनके हर सवाल के पीछे एक वजह होती है। उनमें सादगी भी है। यह उनकी फिल्मों में नजर आती है। चाहे बाला हो या ड्रीम गर्ल।' उन्होंने कहा, 'दोनों में समानता यह है कि मैं उन्हें अपने तरीके से काम करने की पूरी आजादी देता हूं। पहले ही दिन मैंने देखा कि आयुष्मान ने प्रेम के किरदार का अंदाज इतनी अच्छी तरह पकड़ लिया था कि मैंने उसमें कोई बदलाव नहीं किया। सलमान भाई के साथ भी ऐसा ही होता है। मैं उनसे मिलने जाता हूं, कहानी सुनाता हूं और फिर वे अपने अंदाज में सीन करते हैं।' आयुष्मान बोले- सलमान खान ही असली प्रेम हैं:-ट्रेलर लॉन्च के दौरान आयुष्मान से पूछा गया कि सूरज बड़जात्या की फिल्मों में आपका सबसे पसंदीदा प्रेम कौन रहा है? इस पर उन्होंने कहा, 'यह क्या सवाल है? सलमान भाई से बेहतर प्रेम कोई नहीं हो सकता। वही असली प्रेम हैं। हम सभी उन्हें प्रेम के रूप में अपना आदर्श मानते हैं। उनका लॉन्च ही प्रेम से हुआ है।' आयुष्मान ने कहा कि प्रेम का किरदार निभाना बड़ी जिम्मेदारी है। प्रेम एक ऐसा इंसान



है, जो संवेदनशील है, दूसरों की परवाह करता है और रिश्तों को समझता है।उन्होंने कहा, 'यह दुनिया एक प्रेम चाहती है और हम वही लेकर आ रहे हैं।' आयुष्मान के जवाब के बाद सूरज बड़जात्या ने कहा कि आयुष्मान ने प्रेम को अपने तरीके से निभाया है। उनका किरदार पहले के प्रेम किरदारों से अलग है। सूरज बड़जात्या की डायरेक्टर के तौर पर बनी 6 फिल्मों में सलमान खान, ऋतिक रोशन, अभिषेक बच्चन और शाहिद कपूर जैसे एक्टर्स को प्रेम के किरदार में दिखाया गया। सलमान ने सबसे ज्यादा 4 फिल्मों में प्रेम का रोल निभाया। 1989 में रिलीज हुई फिल्म मैंने प्यार किया में सलमान पहली बार प्रेम बने थे। इसके बाद उन्होंने हम आपके हैं कौन (1994), हम साथ-साथ हैं (1999) और प्रेम रतन धन पायो (2015) में भी यही किरदार निभाया। वहीं, 2003 की फिल्म मैं प्रेम की दीवानी हूं में ऋतिक रोशन और अभिषेक बच्चन, दोनों के किरदारों का नाम प्रेम था। 2006 में रिलीज हुई विवाह में शाहिद कपूर ने प्रेम का रोल निभाया। अब 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म ये प्रेम मोल लिया में आयुष्मान खुराना यह किरदार निभा रहे हैं। सूरज बड़जात्या के परिवार के प्रोडक्शन हाउस राजश्री फिल्म्स की फिल्मों में प्रेम किरदार की शुरुआत 1977 की फिल्म दुल्हन वही जो पिया मन भाए से हुई थी। इसमें एक्टर प्रेम कृष्ण ने प्रेम का किरदार निभाया था।

हालांकि, इस फिल्म का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने नहीं किया था। वहीं, राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म एक विवाह... ऐसा भी (2008) में सोनू सूद ने भी प्रेम का किरदार निभाया था। इस फिल्म की कहानी सूरज बड़जात्या ने लिखी थी, जबकि इसका निर्देशन कौशिक घटक ने किया था। सूरज बड़जात्या बोले- धुरंधर शानदार फिल्म, दर्शकों को फैमिली फिल्म भी चाहिए:-ट्रेलर लॉन्च के दौरान सूरज बड़जात्या से पूछा गया कि धुरंधर और पुष्पा जैसी फिल्मों के दौर में फैमिली फिल्म लेकर आना कितना बड़ा चैलेंज और रिस्क है? इस पर उन्होंने कहा, 'हर फिल्म की अपनी जगह होती है। धुरंधर अपने तरीके से अच्छी है। यह शानदार फिल्म है, लेकिन दर्शकों को धुरंधर के साथ ऐसी फिल्म भी चाहिए।' उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान बॉक्स ऑफिस पर नंबर वन फिल्म बनाने से ज्यादा ऐसी कहानी बनाने पर है, जो दर्शकों से जुड़ सके। वे चाहते हैं कि परिवार के लोग एक साथ सिनेमाघरों में फिल्म देखने जाएं। फिल्म के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान का किरदार शादी के बाद अपने परिवार के साथ पत्नी के घर रहने पहुंचता है। इस वजह से फिल्म की तुलना करण जौहर की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी से की जा रही है। जब सवाल पूछा गया कि यह फिल्म कैसे अलग होगी, तो आयुष्मान ने कहा कि दोनों फिल्मों के किरदार अलग हैं। उन्होंने कहा, 'मैं रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का बहुत बड़ा फैन हूं। करण जौहर उन पहले लोगों में थे, जिन्होंने हमारी फिल्म का पहला गाना देखने के बाद मैसेज किया था। उन्हें सूरज बड़जात्या की दुनिया पसंद आई।' उन्होंने आगे कहा कि प्रेम शुरुआत से ही एक अच्छा इंसान है। वह अपनी पत्नी और उसके परिवार के लिए आवाज उठाता है। वहीं, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी के किरदार का सफर अलग है। इसलिए दोनों की तुलना नहीं की जा सकती। फिल्म में अहम किरदार निभा रहीं सीमा पाहवा ने भी कहा कि हर घर की कहानी अलग होती है। एक जैसे विषय पर दो निर्देशक अपनी अलग सोच के साथ फिल्म बना सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।